डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें -
9799559096
0141-4982834

रॉयल पत्रिका

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें? और सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 4

वर्ष : 21 | अंक : 20 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 15 जून से 21 जून 2026 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

हम आरएसएस के सामने झुकेंगे नहीं और कोई समझौते नहीं करेंगे - राहुल गांधी

-राजनीतिक दलों के सामने अब निष्पक्ष मैदान नहीं है

जयपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 08 जून 2026 को नई दिल्ली में इंडिया (INDIA) गठबंधन की बैठक में घटक दलों के नेताओं को संबोधित करते हुए कहा कि - मैं आज यहाँ आप सभी का स्वागत करना चाहता हूँ। आने के लिए आप सभी का धन्यवाद। कई साल पहले, मेरी अपने एक बहुत अच्छे दोस्त से बहस हो गई थी। मैंने उससे कहा कि तुम जो कर रहे हो वह गलत (अन्यायपूर्ण) है। और उसका मुझे जवाब था: दुनिया ही ऐसी है, इसकी आदत डाल लो। कांग्रेस पार्टी के बारे में आज जो भी बातें कही गईं, उनमें से किसी भी चीज़ का जवाब देना मेरा काम नहीं है। मेरा काम तो — जैसे शिव परंपरा में होता है — सब कुछ निगल लेना है। नीलकंठ (शिव) का विचार, जो सारा विष पी जाते हैं। आप मेरे या कांग्रेस पार्टी के बारे में और जो कुछ भी कहना चाहते हैं, आपकी जो भी आलोचना है

— हम उसे स्वीकार करेंगे, और हम उसे खुशी-खुशी, अपने चेहरे पर मुस्कान के साथ स्वीकार करेंगे। हम आपको खुश करने की कोशिश करेंगे, क्योंकि हमारी भूमिका मौलिक रूप से आपकी भूमिका से अलग है। मैं यह बात अहंकार के साथ नहीं कह रहा हूँ। हमारी भूमिका, जैसा कि आप में से कई लोगों ने कहा है, आप सभी को प्यार और स्नेह के साथ एक सूत्र में बांधना है।

आरएसएस के सामने झुकेंगे नहीं :-

मैं 2004 से कांग्रेस पार्टी का सांसद हूँ, जब मैंने अपना पहला चुनाव लड़ा था। हमारी पार्टी का संगठन भारत के अन्य सभी दलों की तुलना में मौलिक रूप से अलग है — और मैं यह बात पूरे विनीत भाव (नम्रता) से कह रहा हूँ। क्यों? क्योंकि इस पार्टी की शुरुआत एक प्रतिरोध आंदोलन (resistance movement) के रूप में हुई थी, जब आधुनिक भारत का अस्तित्व भी नहीं था। अन्य सभी राजनीतिक दलों के विपरीत, इसका निर्माण भारतीय राज्य (सरकार) के बुनियादी ढांचे और संरक्षण का उपयोग करके नहीं किया गया था। कांग्रेस पार्टी एक ऐसा प्रतिरोध आंदोलन है जो इस विचार की रक्षा करता है कि सभी भारतीय समान हैं। हम आरएसएस (RSS) की विचारधारा के मौलिक रूप से खिलाफ हैं। हम मर जाएंगे — हम कांग्रेस पार्टी में मर मिटेंगे — लेकिन बीजेपी (BJP) या आरएसएस के सामने झुकेंगे नहीं या उनके साथ कोई समझौता नहीं करेंगे। ऐसा करने के लिए आपको हमारे सिर काटने होंगे। मैं इस देश में लाखों-लाखों कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जानता हूँ जो कहेंगे: हमारे सिर काट दो, लेकिन हम आरएसएस के सामने नहीं झुकेंगे।

अब राजनीतिक दलों के सामने निष्पक्ष मैदान नहीं है :-

मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि इस समूह (गठबंधन) में एक भ्रम है। भ्रम यह है कि आप लोग — सपा (SP), टीएमसी (TMC), राजद (RJD) आदि — यह मानते हैं कि जिन राजनीतिक तौर-तरीकों का इस्तेमाल आपने अब तक किया है, वे आगे भी काम करेंगे। वे केवल तब तक काम करते थे जब तक भारतीय राज्य उनके काम करने के लिए एक निष्पक्ष मैदान (fair field) प्रदान करता था। वह मैदान अब अस्तित्व में नहीं है। बीजेपी का राज्य की संस्थाओं पर नियंत्रण है। बीजेपी का कानूनी व्यवस्था पर नियंत्रण है। बीजेपी का नौकरशाही (bureaucracy) पर नियंत्रण है। बीजेपी का खुफिया एजेंसियों पर नियंत्रण है। बीजेपी का चुनाव आयोग पर भी नियंत्रण है। टीएमसी में मेरे कई दोस्त हैं। वे पूरी तरह आश्वस्त थे कि वे चुनाव में सूपड़ा साफ कर रहे हैं। मैं उनसे लगातार कहता रहा: आप सपनों की दुनिया में जी रहे हैं। मैंने देखा है कि क्या होता है — मैंने इसे गुजरात में देखा है, मैंने इसे मध्य प्रदेश में देखा है, मैंने इसे छत्तीसगढ़ में देखा है, मैंने इसे हरियाणा और महाराष्ट्र में देखा है। और फिर भी आप में से कई लोग अभी भी आश्वस्त नहीं हैं। **शेष पृष्ठ 2 पर...**

भारतीय लोकतंत्र का नया 'मोदी युग', तोड़ा पंडित नेहरू का सबसे बड़ा रिकॉर्ड

-लगातार 4,399 दिनों तक सेवा करने वाले देश के पहले निर्वाचित प्रधानमंत्री बने नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली/जयपुर (रॉयल पत्रिका)। 10 जून 2026 का दिन भारतीय राजनीतिक इतिहास के पन्नों में हमेशा-हमेशा के लिए स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार सबसे लंबे समय तक देश के निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने का एक ऐसा अद्वितीय और ऐतिहासिक रिकॉर्ड स्थापित कर दिया है, जिसे तोड़ पाना भविष्य की राजनीति में किसी के लिए भी एक बड़ी चुनौती होगी। इस शीर्ष पद पर लगातार सेवा करते हुए पीएम मोदी के आज 4,399 दिन पूरे हो चुके हैं, जिसके साथ ही उन्होंने आधुनिक भारत के निर्माता कहे जाने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के 4,398 दिनों के ऐतिहासिक रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

दुनिया भर के दिग्गज राष्ट्राध्यक्षों ने पीएम मोदी की लीडरशिप का लोहा माना

डोनाल्ड ट्रंप का बयान: अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस महान उपलब्धि पर विशेष रूप से बधाई संदेश भेजते हुए कहा, "नरेंद्र मोदी एक बेहद मजबूत, दूरदर्शी और समझदार व्यक्ति हैं। उनके नेतृत्व में भारत ने जो स्थिरता और प्रगति हासिल की है, वह अद्भुत है।"

रूस की प्रतिक्रिया: रूसी सरकार ने भी इस अवसर पर पीएम मोदी को दुनिया का एक महान नेता बताते हुए उन्हें सभी भारतीय प्रधानमंत्रियों का 'डोयेन' (Doyen - सबसे वरिष्ठ और प्रतिष्ठित नेता) करार दिया।

इतिहास का विश्लेषण

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में अब तक तीन बड़े स्तंभ रहे हैं, लेकिन पीएम मोदी की यह उपलब्धि इसलिए सबसे अलग है क्योंकि यह पूरी तरह 'निरंतर और निर्वाचित' कार्यकाल पर आधारित है।

प्रधानमंत्री का नाम	निर्वाचित निरंतर कार्यकाल (दिनों में)	कार्यकाल की प्रकृति
पंडित जवाहरलाल नेहरू	4,398 दिन	13 मई 1952 (पहले आम चुनाव के बाद) से 27 मई 1964 (निधन तक)
इंदिरा गांधी	16 साल से कुछ कम (कुल)	दो अलग-अलग कार्यकालों में (निरंतर नहीं)
नरेंद्र मोदी	4,399 दिन (और निरंतर जारी...)	26 मई 2014 से शुरू, 2019 और 2024 के भारी जनादेश के साथ लगातार जारी

नेहरू, इंदिरा और मोदी: आंकड़ों की जुबानी

पंडित नेहरू ने 1947 में अंतरिम सरकार संभाली थी, लेकिन 1952 के पहले आम चुनाव के बाद निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल 4,398 दिनों का था। पीएम मोदी ने उस आंकड़े को पार कर लोकतांत्रिक इतिहास की सबसे बड़ी लकीर खींच दी है।

12 वर्षों का सफ़र: वो फैसले जिन्होंने बदल दिया देश का भूगोल और भविष्य

26 मई 2014 को जब नरेंद्र मोदी ने पहली बार देश की कमान संभाली थी, तब उन्होंने 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन' का नारा दिया था। इन 12 वर्षों में उनके खाते में कई ऐसी क्रांतिकारी उपलब्धियां जुड़ीं, जिन्होंने भारत को वैश्विक महाशक्ति बनाया:

1. डिजिटल क्रांति और JAM ट्रिनिटी:

मोदी सरकार ने जनधन, आधार और मोबाइल (JAM Trinity) को आपस में जोड़कर देश के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक 100% सरकारी लाभ पहुंचाना शुरू किया। **शेष पृष्ठ 2 पर....**

नूरानी मस्जिद बचाने के प्रयास कम, राजनीति ज्यादा हुई

-वक़्फ़ बोर्ड के चेयरमैन, सदस्य और कार्यकारी चुपचाप देखते रहे, समय रहते कार्रवाई नहीं की

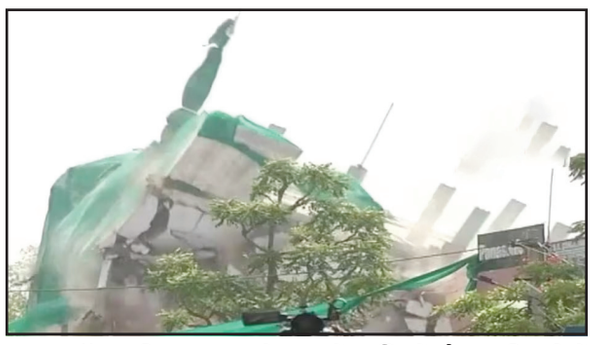

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के मालवीय नगर के नंदपुरी रोड पर जेडीए प्रशासन ने नूरानी मस्जिद को सड़क पर अतिक्रमण बताकर ध्वस्त कर दिया। जबकि मस्जिद की ज़मीन को मुस्लिम समाज के लोगों ने 1980 में विधिवत रूप से खरीदा था और जेडीए में शुल्क भी जमा करवाया था। मस्जिद की जमीन के सभी वैध दस्तावेज मस्जिद कमेटी के लोगों के पास हैं। नूरानी मस्जिद कमेटी और वक़्फ़ बोर्ड प्रशासन को पता था कि जेडीए मस्जिद को अतिक्रमण बताकर हटाएगा, फिर भी कानूनी कार्रवाई में पीछे रहे। जयपुर शहर में मुस्लिम समाज के रहनुमाओं ने मस्जिद को लेकर एक दूसरे पर गुटों, व्यक्तियों और पदाधिकारियों पर आरोप खूब लगाए। लेकिन धरातल पर कुछ नहीं कर पाए। यह सब जानते हुए कि प्रदेश में भाजपा सरकार है। मस्जिद को सिर्फ कानूनी कार्रवाई और कोर्ट के आदेश से ही बचाया जा सकता है। फिर समय रहते कोर्ट कोई भी नहीं गया।

एक दूसरे पर आरोप

शहर में मुस्लिम समाज के रहनुमा जो मुस्लिम समाज पर नियंत्रण रखने का दावा करते हैं, गुटों में बंटे रहे और एक दूसरों पर आरोप लगाते रहे। व्हाट्सएप ग्रुप पर जेडीए द्वारा 90 नोटिस देने की झूठी सूचनाएं डाली गई, **शेष पृष्ठ 2 पर....**

दादा कायम खान के शहीद दिवस पर आयोजन

दादा कायम खान के शहीद दिवस पर "कायम रत्न पुरस्कार" समारोह आयोजित

-वक़्फ़ बोर्ड चेयरमैन खानू खान ने कायमखानी कौम को बताया लड़ाका और देशभक्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मौलाना अबुल कलाम आज़ाद सोसाइटी राजस्थान की ओर से नवाब दादा कायम खान के शहीद दिवस के अवसर पर भव्य 'कायम रत्न पुरस्कार' समारोह का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश के आन-बान और शान के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जाबाजों और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इस दौरान सेना मेडल, शौर्य चक्र और वीर चक्र से सम्मानित जांबाजों को भी मंच पर आदर दिया गया।

दिग्गज नेताओं का खानूखान ने किया स्वागत

कार्यक्रम के मुख्य आयोजक और राजस्थान वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष खानू खान बुधवाली ने मेहमानों का स्वागत किया। **शेष पृष्ठ 2 पर....**

कायमखानी समाज की मजबूती और राष्ट्र निर्माण में अहम भागीदारी ही दादा कायम खां को सच्ची श्रद्धांजलि : यूनुस खान

-ददरेवा (चूरू) में दादा कायम खां की जन्म स्थली पर हुआ प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम, देश-प्रदेश से पहुंचे समाज बंधु

-दादा कायम खां के 607वें यौम—ए—शहादत पर दुआ-ए-मगफिरत एवं सम्मान समारोह आयोजित

ददरेवा/चूरू (रॉयल पत्रिका)। दादा कायम खां की जन्मस्थली ददरेवा में रविवार को दादा कायम खां स्मृति अनुसंधान एवं विकास संस्था तथा जिला कायमखानी सभा, चूरू के संयुक्त तत्वावधान में दुआ-ए-मगफिरत एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान सहित देश के विभिन्न राज्यों से आए कायमखानी समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुरान शरीफ की तिलावत से हुआ, जिसमें दादा कायम खां की मगफिरत एवं समाज की खुशहाली के लिए विशेष दुआ की गई। **शेष पृष्ठ 2 पर....**

प्रदेश अध्यक्ष एमडी चोपदार ने किया कार्यकारिणी का विस्तार

-29 पदाधिकारियों को दी जिम्मेदारी!

-नई सूची में महिलाओं को भी मिला प्रतिनिधित्व!

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग में संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार किया गया है। कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष एमडी चोपदार ने कार्यकारिणी में करीब 29 नए पदाधिकारियों को शामिल किया है। कार्यकारिणी विस्तार में सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन के साथ-साथ महिला प्रतिनिधित्व पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। विभाग में महिलाओं को भी अवसर देते हुए उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, जिससे संगठन में उनकी भागीदारी और भूमिका को मजबूती मिलेगी। **शेष पृष्ठ 2 पर....**

GRP
Great Reality Plus
Facilities Management Pvt. Ltd.
Real estate | Facilities & Hospitality | Construction Services
For Booking Commercially Approved Loanable Shops Size 11x24 Moti Dungari Road, Opp. Shankar Namkeen Bhandar, Jaipur
"One Prime Location, Endless Business Growth! Commercially approved **11x24 shops** on Moti Dungri Road — the ultimate spot for your Medical Store, Clinic, Kirana, Grocery, Garments, Crockery, or Jewellery showroom with guaranteed high footfall."
₹ 1.25Cr*
www.greatrealityplus.com greatplusfm03@gmail.com
GreatRealityPlus
+91 8386 94 70 05

जयपुर के 'हार्ट' में बिजनेस को दें नई उड़ान
'मयंक ट्रेड सेंटर' बना नया कॉर्पोरेट हब
शॉप & ऑफिस प्राइस 20 लाख To 2 Cr
100% लोन उपलब्ध
सिंधी कैंप व चांदपोल मेट्रो स्टेशन के पास बेहतरीन कनेक्टिविटी के साथ लिफ्ट पार्किंग सुविधा उपलब्ध
रेंटल इनकम & इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटी
शॉप व ऑफिस 150 To 1500 SQ. FT. उपलब्ध
लोअर ग्राउंड, ग्राउंड फ्लोर, 1st, 2nd & 3rd फ्लोर उपलब्ध
For More Information
Please Call
9772552446
9828017765
मयंक ट्रेड सेंटर, स्टेशन रोड, नियर सिन्धी कैंप मेट्रो स्टेशन, जयपुर 302001

मलिकपुर में 33/11 KV सब-स्टेशन (GSS) की स्थापना को मिली प्रशासनिक स्वीकृति

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। ग्राम मलिकपुर में 33/11 KV सबस्टेशन (GSS) की स्थापना के लिए जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड द्वारा प्रशासनिक स्वीकृति मिलने पर रविवार को सुभाष सर्किल स्थित भाजपा कार्यालय पर ग्रामवासियों द्वारा पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का माला एवं साफा पहनाकर आभार जताया गया। मलिकपुर में नया सबस्टेशन बनने से क्षेत्र के बिजली तंत्र में अभूतपूर्व सुधार होगा। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने इस जनहितैषी निर्णय के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मलिकपुर एवं इसके आस-पास के गावो को सुचारू और गुणवत्तापूर्ण थ्री-फेज बिजली उपलब्ध हो सकेगी, जिससे फसलों की पैदावार में मदद मिलेगी तथा बिजली वितरण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, संतुलित और लोड-फ्री बनाने के लिए इस सबस्टेशन के अंतर्गत 3 नए 11 KV आउटगोइंग फीडर भी तैयार किए जाएंगे। इस अवसर पर भाजपा देहात मंडल कालाडेरा अध्यक्ष लालचंद यादव, नंछूराम यादव, मालीराम बिछवलिया, जगदीश यादव, बनवारी शर्मा, सुभाष शर्मा, सीताराम यादव सहित कई ग्रामवासी उपस्थित रहे।

विद्युत चोरी के विरुद्ध विभाग की बड़ी कार्यवाही

123 विद्युत चोरी के मामले पकड़े गए, लगभग 23.24 लाख रुपये का लगाया जुर्माना

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विद्युत वितरण निगम लिमिटेड द्वारा विद्युत चोरी एवं अनधिकृत विद्युत उपयोग पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से सवाई माधोपुर वृत्त में विशेष सघन विजिलेंस अभियान संचालित किया गया। अधीक्षण अभियंता (ओ.एण्ड.एम.) आर.के. मीना के निर्देशन में गठित विभागीय टीमों ने जिले के विभिन्न शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जांच एवं सत्यापन कार्यवाही की।

अभियान के दौरान विभिन्न श्रेणी के विद्युत उपभोक्ताओं के परिसरों का निरीक्षण किया गया, जिसमें विद्युत चोरी एवं अनधिकृत उपयोग के 123 प्रकरण चिन्हित किए गए। निगम प्रावधानों के अनुसार सभी मामलों में वीसीआर दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही प्रारम्भ की गई। जांच के दौरान लगभग 1.41 लाख यूनिट विद्युत ऊर्जा का आकलन किया गया तथा इसके आधार पर 23.24 लाख रुपये का प्रारंभिक राजस्व निर्धारण किया गया।

अभियान में सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, खण्डार, बौंली, बामनवास, चौथ का बरवाड़ा, मलारना डूंगर एवं वजीरपुर क्षेत्र की टीमों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि विद्युत चोरी के विरुद्ध यह कार्यवाही राजस्व संरक्षण के साथ-साथ उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अधीक्षण अभियंता आर.के. मीना ने बताया कि विद्युत चोरी से वितरण तंत्र पर अनावश्यक भार बढ़ता है, तकनीकी एवं वाणिज्यिक हानियां बढ़ती हैं तथा ईमानदार उपभोक्ताओं के हित प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा कि विद्युत चोरी एवं अनियमितताओं के विरुद्ध भविष्य में भी इसी प्रकार के विशेष अभियान निरंतर चलाए जाएंगे तथा दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही की जाएगी।

उन्होंने आमजन से अपील की कि वे वैध विद्युत कनेक्शन के माध्यम से ही बिजली का उपयोग करें तथा विद्युत चोरी या अनियमितता की जानकारी मिलने पर निगम को सूचित कर जनहित में सहयोग प्रदान करें। जनसहयोग से ही सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण एवं विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सकता है।

सीसीटीवी, मोबाइल लोकेशन और तकनीकी साक्ष्यों से खुला जमवाय माता मंदिर चोरी का राज

-बावरिया गैंग के तीन आरोपी गिरफ्तार, दानपात्र की नकदी और मोबाइल बरामद; कई वारदातें कबूलीं

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। सिंगोद कला स्थित प्रसिद्ध जमवाय माता मंदिर में हुई चोरी की वारदात का गोविंदगढ़ थाना पुलिस ने खुलासा करते हुए बावरिया गैंग के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मंदिर के दानपात्र से चोरी की गई नकदी तथा एक मजदूर का चोरी हुआ मोबाइल फोन भी बरामद किया है। मामले के खुलासे के बाद ग्रामीणों में संतोष का माहौल है। जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद मीणा के निर्देशन में चलाए गए अभियान के तहत गोविंदगढ़ थाना पुलिस ने यह सफलता हासिल की। थानाधिकारी विनोद सांखला के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों तक पहुंच बनाई। पुलिस ने मामले की जांच के दौरान 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसके बाद बावरिया गैंग से जुड़े तीन आरोपियों— बीरबल बावरिया, धूड़ाराम बावरिया और सुभाष बावरिया को गिरफ्तार किया गया। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने रींगस, श्रीमाधोपुर और चौमूं क्षेत्र में चोरी की कई वारदातों में संलिप्तता स्वीकार की है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी दिन के समय संभावित स्थानों की रेकी करते थे और रात होने पर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी चोरी के कई मामले दर्ज बताए जा रहे हैं। गौरतलब है कि जमवाय माता मंदिर में हुई चोरी के विरोध में ग्रामीणों ने धरना देकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की थी। पुलिस की त्वरित कार्रवाई और सफल खुलासे के बाद क्षेत्रवासियों ने राहत व्यक्त की है। पुलिस अब आरोपियों से अन्य लंबित चोरी की वारदातों के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है। अधिकारियों का मानना है कि पूछताछ में और भी महत्वपूर्ण खुलासे हो सकते हैं।

बुतों की तलाश है

इस मसनवी ज़माने में हक़ीकतों की तलाश है
हुस्न है बनावटी और मोहब्बतों की तलाश है
प्यास है मेरी जुदा इसे बारिशों की तलब नहीं
बेहिसाब हो मिठास उन शरबतों की तलाश है
इस शहर की महफ़िलों में जो है सबसे पारसा
उस पारसा के वास्ते तोहमतों की तलाश है
मुझे जीतना है जीतने की चाह में कुछ भी करो
जो जिता सके चुनाव में उन मतों की तलाश है
तेरे ख़ौफ से खामोश आंसू जज़्ब तो हो गए
जो सुन सके सब ग़म तेरे ऐसे बुतों की तलाश है
हसरतें दिल में ना पालूं तो भला क्या करुं
नातवां दिल को मेरे बस इनायतों की तलाश है

-फ़ज़लुर्रहमान
सहायक सचिव सेवा निवृत्त

अखबार बांटने के लिए हॉकर्स की आवश्यकता है

जयपुर से प्रकाशित होने वाले लोकप्रिय अखबार "रॉयल पत्रिका" को जयपुर में अख़बार बांटने के लिये पढ़े-लिखे युवकों की आवश्यकता है । वेतन रु. 10 -15 हजार+पेट्रोल+इन्सेंटिव ।
तुरन्त संपर्क करें – मोबाइल: 97995 59096

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका के RPNews Network Pvt. Ltd. के बैंक खाते में भुगतान नगद या चेक द्वारा पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100249244 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नज़दीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं । आपके सहयोग के लिए धन्यवाद ।
-संपादक

सूचना

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक में अगले अंकों से वक़्फ़ बोर्ड, वक़्फ़ कमेटियों, मदरसा बोर्ड, मदरसों के संचालन, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजनाओं, राजस्थान अल्पसंख्यक आयोग, हज कमेटी, मुस्लिम विधायक, पूर्व विधायक, मुस्लिम क्षेत्रों के विकास, शिक्षा, रोज़गार, मुस्लिम शख्सियत, समाजसेवी, व्यवसायी आदि से संबंधित खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा ।
अत: पाठकों एवं अन्य से निवेदन है कि उपरोक्त विषय से जुड़ी जानकारी रॉयल पत्रिका के कार्यालय के पते, E-mail Address-royalpatrika@gmail.com या व्हाट्सएप (8058969180) पर भेजने की मेहरबानी करें ।
-संपादक, रॉयल पत्रिका

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

रामलाल शर्मा जन्मोत्सव पर रक्तदान शिविर का आयोजन

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत नांगल-गोविंद के स्थित बालाजी की मंदिर परिसर चौमूं के पूर्व विधायक प्रदेश मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा का जन्मदिवस है इसके उपलक्ष्य में रविवार 14 जून 2026 को बालाजी मंदिर प्रांगण नांगल-गोविंद में रक्तदान शिविर व चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व सरपंच नाथूलाल जाट, मंडल उपाध्यक्ष शंकर रैगर, हरलाल लौरा, बनवारी लाम्बा, कैलाश लाम्बा, रामकरण गढ़वाल, हरिराम गढ़वाल, खेमाराम माण्डिया, महेंद्र कुमावत, मोहन नायक, लालचंद शर्मा, चौथूराम जांगिड़, मोहन भरारडा, महेंद्र रूंडला उपस्थित रहे। शिविर में काफी संख्या में युवाओं ने रक्तदान किया वह चिकित्सा शिविर का लाभ उठाया।

पृष्ठ एक का शेष....

नूरानी मस्जिद बचाने के प्रयास कम.....

जबकि जेडीए ने सिर्फ एक नोटिस सिर्फ 3-4 दिन पहले दिया था। शहर के दोनों विधायकों ने समाज के लोगों के साथ बैठकें खूब कीं । लेकिन सरकार और जेडीए प्रशासन को कार्रवाई से नहीं रोक पाए । कांग्रेस पार्टी को शत- प्रतिशत वोट देने वाले मुस्लिम समाज के पक्ष में एक भी कांग्रेस का बड़ा नेता नहीं आया और ना ही मस्जिद तोड़ने का विरोध किया ।

वक्फ़ बोर्ड की भूमिका

राजस्थान वक्फ़ बोर्ड चेयरमैन और वक्फ़ बोर्ड सदस्य नूरानी मस्जिद को महीनों पहले से जेडीए द्वारा हटाने की चर्चाओं को सिर्फ सुनते रहे । जबकि उनकी जानकारी में मस्जिद को हटाने की पूरी जानकारी थी । वक्फ़ बोर्ड में अतिरिक्त कार्यभार संभाल रहे सीईओ एवं वरिष्ठ आरएएस अबू सूफियान ज्यादातर लोगों का फोन नहीं उठाते हैं, यदि किसी को उनसे मिलना हो तो उनके तीन-तीन ऑफिसों में चक्कर लगाकर ढूंढना पड़ता है । वक्फ़ बोर्ड चेयरमैन डॉ. खानु खान चाहते तो मस्जिद के मामले को वक्फ़ ट्रिब्यूनल कोर्ट में ले जा सकते थे । लेकिन उन्होंने इंतजार किया और नूरानी मस्जिद तोड़ दी गई । वक्फ़ बोर्ड देरी से कोर्ट पहुंचा, जिसमें सुनवाई 10 जून 2026 को होनी थी । लेकिन जेडीए प्रशासन ने 7 जून को ही मस्जिद पर बुलडोजर चला दिया। सारांश जयपुर की नूरानी मस्जिद को तोड़ने का ज़िम्मेदार वैसे तो सरकार और जेडीए प्रशासन ही है । लेकिन मुस्लिम समाज के विधायकों, समाज सेवियों और वक्फ़ बोर्ड कमेटी को भी ज़िम्मेदार ठहराया जा सकता है, क्योंकि उन्होंने समय रहते क़ानूनी कार्यवाही नहीं की।

पृष्ठ एक का शेष....

प्रदेश अध्यक्ष एमडी चोपदार ने किया...

कार्यकारिणी विस्तार का उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर अधिक प्रभावी बनाना और आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिए तैयार करना है। नए पदाधिकारियों के जुड़ने से विभाग की गतिविधियों को और गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार, प्रदेश कार्यकारिणी के विस्तार के बाद अब जिला स्तर पर भी बड़े बदलावों की तैयारी चल रही है। आने वाले दिनों में 6 से 7 जिला अध्यक्षों को बदले जाने की संभावना जताई जा रही है। इसके अलावा कई अन्य महत्वपूर्ण नियुक्तियों और जिम्मेदारियों की घोषणा भी जल्द हो सकती है।
कार्यकारिणी में निम्न पदाधिकारी शामिल किए गए हैं:- प्रदेश उपाध्यक्ष - मोहम्मद असलम, राजू खान, हाजी वकील, जाकिर बुलंद खान, प्रदेश महासचिव - नवाब खान देवा, मोहम्मद रईस जालूपुरा, एडवोकेट रुस्तम खान भाटी, मोहम्मद ईसार, मोहम्मद शाहिद (मुन्ना पठान), सैयद अबूबकर, श्रीमती सुशीला जैन, प्रदेश सचिव - याकूब जोया, सलीम खान पठान, अमीन खान, नवाब बक्श, सलीम खान भईया, राशिद खान मेहर, श्रीमती परवीन खान, श्रीमती इफरोज खान, निजामुद्दीन शेख, चांद मोहम्मद कुरैशी, प्रदेश सयुक्त सचिव - अब्दुल हमीद, इरफ़ान मंसूरी, मोहम्मद अबुजर गफ्फारी घोरी, मोहसिन खान, मजहर हुसैन पठान, सरदार जतिन सिंह, महमूद अली एवं प्रदेश प्रवक्ता मोहम्मद मंसूर आलम रटवारा को बनाया गया हैं।

पृष्ठ एक का शेष....

दादा कायम खान के शहीद दिवस पर.....

समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, विधायक अशोक चांदना, सांसद राहुल कस्वां और इमरान मसूद समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

देश सेवा में कायमखानी समाज का बेमिसाल योगदान: खानू खान

मीडिया से बातचीत करते हुए राजस्थान वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष खानू खान बुधवाली ने समाज के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा के लिए कायमखानी समाज ने हमेशा योगदान दिया है। उन्होंने एक बेहद दिलचस्प और गौरव की बात साझा करते हुए बताया कि भारतीय सेना (जैसे 61 कैवलरी) में कायमखानी समाज के लिए विशेष भर्ती होती है। खानू खान ने बताया कि इस देश की माटी के लिए इस समाज के अब तक 300 से अधिक जांबाज शहीद हो चुके हैं, जिनमें 6 वीर चक्र, अनेक शौर्य चक्र, सेना पदक और राष्ट्रपति पदक विजेता शामिल हैं। उन्होंने संकल्प लिया कि यह कौम देश की रक्षा के लिए हमेशा के लिए अंतिम सांस तक लड़ती रहेगी।

संविधान को बरकरार रखने और सांप्रदायिक भाईचारे की अपील

अपनी स्पीच में खानू खान ने देश की गंगा-जमुनी तहजीब और बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान का महत्व जानने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिस तरह देश की आजादी के लिए हर मजहब के लोगों ने सामूहिक एकजुटता की थी, उसी तरह आज फिर से देश के ताने-बाने को मजबुत करने और संविधान के अनुसार सामूहिक प्रयास का समय आ गया है। खानू खान ने कहा कि आज देश की सेना और ब्यूरोक्रेसी में सबसे अधिक ग्रामीण क्षेत्र और सरकारी सैनिकों से निकले गरीब किसानों के बेटे हैं, जो राष्ट्र सेवा के लिए पूरी तरह से समर्पित हैं।

पृष्ठ एक का शेष....

कायमखानी समाज की मजबूती और राष्ट्र....

इस अवसर पर भारत-पाक युद्ध में अदम्य साहस और वीरता का परिचय देने वाले वीर चक्र सम्मानित सैनिकों एवं उनके परिजनों का सम्मान किया गया। सम्मानित होने वालों में वीर चक्र विजेता सरदार खां गौराण, कप्तान मोहम्मद अयूब, महमूद हसन खां, रफीक खां (बीकानेर) तथा ग्रेनेडियर मुराद खां पहाड़ियान एवं उनके परिवारजन शामिल रहे। इसके अतिरिक्त पूर्व आईएएस अधिकारियों, साहित्यकारों, इतिहासकारों, शिक्षाविदों तथा प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में कायमखानी छात्रावासों के निर्माण एवं संचालन में योगदान देने वाले समाजसेवियों का भी सम्मान किया गया। संस्था के अध्यक्ष सिकंदर खान ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि संस्था समाज के शैक्षिक, सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी तथा समाज के प्रत्येक व्यक्ति की इसमें सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

कायमखानी समाज राष्ट्रीय एकता, स्वाभिमान और सेवा का प्रतीक : यूनुस खान

डीडवाना विधायक एवं पूर्व मंत्री यूनुस खान ने कहा कि कायमखानी अपने ज्ञान, योग्यता एवं युवाशक्ति के बल पर निरन्तर उपलब्धियाँ अर्जित करता है। वह नैतिक मूल्यों का पालन करते हुए दया, ईमानदारी एवं कर्मशीलता को अपने जीवन का आधार मानता है। राष्ट्रीय भावना, सत्यनिष्ठा के साथ राष्ट्र एवं समाज सेवा में सदैव अग्रणी रहता है। यही कायमखानी की वास्तविक पहचान, परिभाषा एवं परिचय है। उन्होंने समाज के लोगों से आह्वान किया कि सभी मतभेद भुलाकर एक मंच पर आएं तथा दादा कायम खां की जन्मस्थली ददरेवा के विकास, समाज के युवाओं के उत्थान और भावी पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए संगठित होकर कार्य करें।

पृष्ठ एक का शेष....

भारतीय लोकतंत्र का नया 'मोदी युग'....

आज भारत का UPI (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) सिस्टम पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल बन चुका है, जहां सब्जी वाले से लेकर बड़े शोरूम तक कैशलेस ट्रांजैक्शन हो रहा है।

2. इंफ्रास्ट्रक्चर का स्वर्णिम काल:
पिछले 12 वर्षों में देश के कोने-कोने में फोर-लेन और आठ-लेन एक्सप्रेसवे का जाल बिछाया गया है। रेलवे का पूरी तरह से कायाकल्प करते हुए वंदे भारत और नमो भारत जैसी आधुनिक ट्रेनें चलाई गईं, और 'उड़ान' योजना के तहत दर्जनों नए एयरपोर्ट्स का निर्माण कर हवाई चप्पल पहनने वाले आम नागरिक को हवाई यात्रा का सफर मुहैया कराया गया।

3. सुरक्षा और आक्रामक विदेश नीति:
सुरक्षा के मोर्चे पर मोदी सरकार की नीतियां बेहद सख्त रहीं। देश के भीतर वामपंथी उग्रवाद (नक्सलवाद) को लगभग खत्म कर दिया गया है। वहीं सीमा पार पाकिस्तानी आतंकवाद को कड़ा सबक सिखाने के लिए चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' ने भारत की नई रक्षा और परमाणु नीति की ताकत दुनिया को दिखाई। इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर कोरोना महामारी और तीन विनाशकारी अंतरराष्ट्रीय युद्धों के दौर में भी भारतीय अर्थव्यवस्था को मंदी से बचाकर सुरक्षित निकालना पीएम मोदी की सबसे बड़ी कूटनीतिक जीत मानी जाती है।

ऐतिहासिक बंगाल फतह: जनसंघ के प्रणेता की धरती पर पहली बार भाजपा सरकार यह ऐतिहासिक व्यक्तिगत रिकॉर्ड एक ऐसे समय में सामने आया है, जब भाजपा ने हाल ही में पश्चिम बंगाल और असम के विधानसभा चुनावों में अपनी ऐतिहासिक और अप्रत्याशित जीत दर्ज की है। आजादी के बाद यह पहला मौका है जब पश्चिम बंगाल की धरती पर पूर्ण बहुमत के साथ भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है। यह जीत इसलिए भी मायने रखती है क्योंकि बंगाल में दशकों तक वामपंथियों (कम्युनिस्टों) और कांग्रेस-TMC का मजबूत राजनीतिक किला रहा था। भारतीय जनसंघ के संस्थापक और प्रणेता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मभूमि पर पहली बार राष्ट्रवादी विचारधारा की सरकार बनना, पीएम मोदी की चुनावी रणनीति का सबसे बड़ा शिखर माना जा रहा है।

गरीब कल्याण के 12 साल: भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने गिनाए आंकड़े

इस महा-रिकॉर्ड पर बधाई देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि पीएम मोदी का यह कार्यकाल पूरी तरह से 'अंत्योदय' यानी गरीब कल्याण को समर्पित रहा है। उन्होंने सरकार के 12 वर्षों के सेवाकाल के कुछ ऐसे चमत्कारी आंकड़े पेश किए जो इस विकास गाथा की गवाही देते हैं:

25 करोड़ लोगों की गरीबी से मुक्ति: विभिन्न रोजगारपरक और जनकल्याणकारी योजनाओं के जरिए देश के 25 करोड़ से अधिक नागरिकों को गरीबी रेखा के जाल से बाहर निकाला गया।

4 करोड़ पक्के आशियाने: 'प्रधानमंत्री आवास योजना' के तहत देश के गरीब और बेघर परिवारों को 4 करोड़ से ज्यादा पक्के मकान बनाकर सौंपे गए।

60 करोड़ को स्वास्थ्य सुरक्षा: 'आयुष्मान भारत' जैसी योजनाओं के माध्यम से देश के 60 करोड़ से ज्यादा गरीब लोगों को मुफ्त और सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं दी जा रही हैं।

महिलाओं का सम्मान और मुद्रा लोन: देश के युवाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 57 करोड़ से अधिक 'मुद्रा लोन' बांटे गए। इसके साथ ही देश भर में 12 करोड़ शौचालयों का निर्माण कराकर ग्रामीण भारत की महिलाओं को गरिमापूर्ण जीवन दिया गया। भारतीय राजनीति में 'मोदी युग' का यह पड़ाव यह साफ जाहिर करता है कि देश की जनता का भरोसा आज भी अपने प्रधानमंत्री पर अटूट रूप से कायम है, और भारत विकास के पथ पर लगातार नए कीर्तिमान गढ़ रहा है।

पृष्ठ एक का शेष....

कांग्रेस पार्टी प्रतिरोध की पार्टी है:-

कांग्रेस पार्टी प्रतिरोध की पार्टी है। इसे काम करने के लिए भारतीय राज्य की तटस्थता की आवश्यकता नहीं है। वास्तव में, भारतीय राज्य की संस्थाओं का जितना अधिक गला घोंटा जाएगा, कांग्रेस पार्टी संविधान की रक्षा के लिए उतनी ही आक्रामकता से लड़ेगी। हम सभी कांग्रेस पार्टी के आदर्शों को साझा करते हैं। वे आदर्श क्या हैं? सत्य, अहिंसा और करुणा। यहाँ मुख्य मुद्दा क्या है? मेरी आपसे लड़ने में कोई दिलचस्पी नहीं है। मुझे अचानक उठकर यह कहने के लिए पागल होना पड़ेगा कि मैं आपसे लड़ने जा रहा हूँ — क्योंकि आप हमारे सहयोगी हैं, आप हमारे दोस्त हैं, आप वे लोग हैं जिन्हें हम प्यार करते हैं। कृपया समझें: हमने 2024 का पिछला चुनाव जीता था।

हम आरएसएस के सामने झुकेगें नही.....

हम 2024 का चुनाव हारे नहीं थे। आप पूछते हैं कि नीतीश जी क्यों चले गए — यह मेरी वजह से नहीं था, कांग्रेस की वजह से नहीं था। और मैं आपको बताता हूँ कि आने वाले समय में, वे कुछ गिने-चुने तौर-तरीके भी जो काम किया करते थे, काम करना बंद कर देंगे, क्योंकि बीजेपी और आरएसएस भारतीय राज्य पर अपनी पकड़ मजबूत कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी ने सौ साल से भी पहले ठीक इसी तरह का फैसला लिया था। हम 1927 से पहले एक राजनीतिक संगठन थे। जिस दिन गांधीजी ने कहा कि हमें आजादी चाहिए, हम एक प्रतिरोध आंदोलन बन गए। यदि राजनीतिक दल काम नहीं कर सकते, तो क्या काम करता है? प्रतिरोध काम करता है। प्रतिरोध असर दिखाता है। जहाँ भी हम प्रतिरोध करते हैं, वह काम करता है। मैंने इसे अपनी आँखों से देखा है। मैंने इस देश में 4,000 किलोमीटर की यात्रा की है — प्रतिरोध काम करता है। आपको किसी राजनीतिक ढांचे की आवश्यकता नहीं है। आपको नौकरशाही की आवश्यकता नहीं है। आपको खुफिया एजेंसियों की आवश्यकता नहीं है। आपको प्रतिरोध के कार्य की आवश्यकता है — जिसका अर्थ है: मैं विरोध करूँगा। मैं अन्याय बर्दाश्त नहीं करूँगा। पूर्ण विराम, बात खत्म। यह एक भावना है। यह कोई संगठन नहीं है। यह सोचने का एक तरीका है — और चाहे हमें पसंद हो या न हो, हमें इसी रास्ते पर जाना होगा। मानसिकता को बदलना होगा। मानसिकता अब यह होनी चाहिए: हम आपस में नहीं लड़ेंगे। हम मीडिया को हम पर हमला करने का मौका नहीं देंगे। हम प्रतिरोध करेंगे।

राजस्थान पुलिस की बड़ी पहल

अब मुसीबत में बस एक बटन दबाते ही मिलेगी मदद, जयपुर में शुरू हुआ ट्रायल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में आम जनता और पर्यटकों की सुरक्षा को और पुख्ता करने के लिए राजस्थान पुलिस ने एक बेहतरीन और आधुनिक तकनीक आधारित मुहिम की शुरुआत की है। अब व्यस्ततम इलाकों में किसी भी प्रकार की आपातकालीन स्थिति या पैनिक होने पर जनता को पुलिस तक पहुंचने के लिए मोबाइल फोन की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। पुलिस ने इसके लिए सड़कों पर विशेष 'पैनिक बटन' (Panic Button) इंस्टॉल किए हैं, जिसे दबाते ही सीधे पुलिस कंट्रोल रूम से संपर्क हो जाएगा।

रामबाग और जेडीए सर्किल पर शुरू हुआ ट्रायल

मौके पर तैनात ट्रैफिक पुलिस अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार, राजस्थान पुलिस की यह इमरजेंसी सेवा फिलहाल ट्रायल बेसिस पर शुरू की गई है। अभी जयपुर के दो सबसे व्यस्त चौराहों— रामबाग सर्किल और जेडीए (JDA) सर्किल पर ये पैनिक बटन लगाए गए हैं। यदि यह ट्रायल पूरी तरह सफल रहता है, तो आने वाले समय में इसे शहर के अन्य प्रमुख चौराहों और व्यस्त इलाकों में भी लागू किया जाएगा।

बिना मोबाइल फोन के सीधे कंट्रोल रूम से होगी बात

इस सिस्टम को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यदि किसी व्यक्ति के पास मोबाइल फोन नहीं है, फोन काम नहीं कर रहा है या वह किसी ऐसी मुसीबत में है जहां फोन मिलाना मुमकिन नहीं है,

तो वह पोल पर लगे इस आपातकालीन पैनिक बटन को दबा सकता है। बटन दबाते ही सीधे पुलिस कंट्रोल रूम में घंटी जाएगी और वहां मौजूद पुलिसकर्मी सीधे आपसे रूबरू बात करके आपकी समस्या पूछेंगे। समस्या जानने के तुरंत बाद कंट्रोल रूम द्वारा संबंधित थाने या नजदीकी पुलिस स्टाफ को सूचित कर मौके पर तुरंत मदद भेजी जाएगी।

ग्राउंड जीरो पर हुआ सफल टेस्ट

इस पैनिक बटन की सत्यता और कार्यप्रणाली को जांचने के लिए जब रामबाग सर्किल पर लगे बटन को दबाकर लाइव टेस्ट किया गया, तो तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम से महिला पुलिसकर्मी की आवाज आई। मीडिया द्वारा चेक करने की बात कहने पर कंट्रोल रूम से पुष्टि की गई कि यह सिस्टम बिल्कुल सही और त्वरित गति से काम कर रहा है। पुलिस की इस पहल से जयपुर के व्यस्ततम इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी, विशेषकर महिलाओं, बुजुर्गों और पर्यटकों को आपातकाल के समय इससे बहुत बड़ी राहत मिलेगी।

जयपुर में मानसून से पहले जर्जर गंदा नाला दे रहा है बड़े हादसे को दावत, निगम और जनप्रतिनिधि बेपरवाह

हरी चौधरी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर शहर में मानसून की दस्तक से ठीक पहले नगर निगम और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। शहर के वार्ड न. 10 इलाके में स्थित गंदा नाला इस समय बेहद जर्जर और नाजुक स्थिति में पहुंच चुका है, जिससे स्थानीय निवासियों की जान पर हर वक्त खतरा मंडरा रहा है। नाले की दीवारें जगह-जगह से टूट चुकी हैं और उनमें लंबी दरारें आ गई हैं, जो किसी भी वक्त एक बड़े हादसे का कारण बन सकती हैं।

हादसे को न्योता दे रही दीवार में आई दरार और बिजली का खंभा

ग्राउंड रिपोर्ट के अनुसार, नाले की सुरक्षा दीवार में एक बेहद लंबी और गहरी दरार आ चुकी है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस जर्जर दीवार के ठीक बीच में बिजली का एक खंभा (पोल) लगा हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर थोड़ी सी भी तेज बारिश होती है, तो यह कमजोर दीवार ढह जाएगी, जिससे बिजली का खंभा सीधे नाले या सड़क पर गिर सकता है। बारिश के मौसम में इस खंभे के गिरने से पूरे इलाके में करंट फैलने का भारी खतरा बना हुआ है, जिससे कई लोगों की जान जा सकती है।

सड़क पर पलट रहे हैं वाहन, 5 महीने से अधूरा पड़ा है निर्माण कार्य

इलाके के लोगों ने आक्रोश जताते हुए कहा कि नाले के क्षतिग्रस्त होने के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। सड़क की स्थिति इतनी खराब है कि जब भी कोई ई-रिक्शा या अन्य वाहन यहां से गुजरता है, तो वह अनियंत्रित होकर पलट जाता है। हादसों के बाद लोगों को नाले और मलबे से बाहर निकालने में भारी मशक्कत करनी पड़ती है। निवासियों का आरोप है कि नाले के एक हिस्से का निर्माण कार्य पिछले 5 महीनों से चल रहा है जो अब तक पूरा नहीं हो पाया है, जबकि नाले के दूसरे हिस्से भी अब धीरे-धीरे ढहने लगे हैं।

वोट के समय झूठे वादे, अब सुध लेने वाला कोई नहीं

स्थानीय जनता में क्षेत्रीय पार्षद और विधायक के खिलाफ भारी नाराजगी है। लोगों का कहना है कि चुनाव के समय पार्षद और विधायक यहां आकर पुलिया बनवाने, सड़कें दुरुस्त करने और साफ-सफाई रखने के बड़े-बड़े दावे और झूठे वादे करते हैं, लेकिन जीतने के बाद वे इलाके की तरफ मुड़कर भी नहीं देखते। पिछले दो महीनों से नाला पूरी तरह टूटा हुआ है, लेकिन कोई भी सुध लेने नहीं आया।

देरी से जागी नगर निगम, कचरे का लगा अंबार

नाले के भीतर और आसपास भारी मात्रा में गंदगी और कचरे का अंबार लगा हुआ है। हालांकि, मानसून सिर पर होने के कारण अब नगर निगम ने बेहद देरी से नाले की सफाई का काम शुरू करवाया है। मौके पर मौजूद सफाईकर्मियों के अनुसार, नाले से भारी मात्रा में कचरा निकालकर ढेर लगाया गया है और इस पूरी सफाई व्यवस्था को मुकम्मल होने में अभी 5 से 7 दिन का समय और लग सकता है। लेकिन स्थानीय लोगों का सवाल है कि यदि समय रहते मानसून पूर्व तैयारियां (प्री-मानसून मेंटेनेंस) की जातीं, तो आज जनता को इस तरह के जानलेवा माहौल में रहने को मजबूर नहीं होना पड़ता। अब देखना यह होगा कि क्या प्रशासन इस खबर के बाद नींद से जागता है और बारिश की मूसलाधार झड़ी लगने से पहले इस जर्जर नाले व बिजली के खंभे को दुरुस्त कर जयपुर की जनता को सुरक्षित कर पाता है या नहीं।

प्लॉट विवाद को लेकर पुलिस और विधायक बालमुकुंदाचार्य आमने-सामने

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर की राजनीति और पुलिस महकमे में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब हवामहल विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक बालमुकुंदाचार्य एक मामले को लेकर अपने ही क्षेत्र के ब्रह्मपुरी थाने पहुंच गए। पूरा मामला एक जमीनी विवाद और भाजपा कार्यकर्ता दीपू मीणा उर्फ राहुल मीणा को पुलिस हिरासत में लिए जाने से जुड़ा हुआ है। कार्यकर्ता की गिरफ्तारी के विरोध में विधायक अपने समर्थकों के साथ थाने पहुंचे, जिसके बाद पुलिस प्रशासन और विधायक के बीच तीखी बहस देखने को मिली।

पुलिस का पक्ष: आरोपी ने प्लॉट पर किया था कब्जा, पहले से दर्ज हैं कई मामले

ब्रह्मपुरी थाना प्रभारी हेमंत जनागल के अनुसार, जल महल के पास स्थित एक कीमती प्लॉट पर कब्जे को लेकर वादी शाहरुख कुरैशी ने दीपू मीणा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि आरोपी ने प्लॉट का ताला तोड़ा, वहां अपना ताला जड़ दिया और धमकी भी दी। पुलिस का कहना है कि दीपू मीणा के खिलाफ थाने में नामजद मामला दर्ज होने के बाद उसे हिरासत में लिया गया है। थाना प्रभारी के मुताबिक, आरोपी का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड रहा है और उसके खिलाफ पहले से ही सात मामले दर्ज हैं, यह उसका आठवां मामला है।

विधायक के आरोप: एक विशेष समुदाय के दबाव में पुलिस ने बनाया झूठा केस

दूसरी तरफ, विधायक बालमुकुंदाचार्य ने पुलिस की इस कार्रवाई को पूरी तरह से एकतरफा और झूठा करार दिया है। विधायक का आरोप है कि दीपू मीणा ने कॉलोनी में फैलाई जा रही गंदगी और अवैध रूप से जानवरों के काटे जाने का विरोध किया था, जिसके बाद एक विशेष समुदाय के दबाव में आकर पुलिस ने उसे टारगेट किया और यह झूठा मुकदमा दर्ज कर लिया। विधायक ने थाना प्रभारी हेमंत जनागल पर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर वसूली करने के गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें तुरंत सस्पेंड करने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

हंगामा या धरना नहीं, शांतिपूर्वक न्याय की मांग: बालमुकुंदाचार्य

अपनी ही सरकार में थाने पहुंचने और धरने पर बैठने के सवाल पर विधायक ने साफ किया कि वह कोई हंगामा या धरना प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम यहां अपने क्षेत्रवासी और कार्यकर्ता के लिए न्याय और उसकी जमानत के लिए आए हैं। संविधान ने सबको अपनी बात रखने का अधिकार दिया है। अगर हमारे लोगों के साथ ज्यादती होगी, तो जनप्रतिनिधि होने के नाते हम थाने ही आएंगे, थाना चलकर हमारे पास नहीं आएगा। उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई अधिकारी भ्रष्टाचारी और गलत कामों में लिप्त है, तो उसे सस्पेंड किया जाना चाहिए।

पुलिस जांच में जुटी

जमीन विवाद और इस राजनीतिक घमासान के बीच मामला बेहद संवेदनशील बना हुआ है। एक तरफ प्रॉपर्टी पर अवैध कब्जे का पुराना विवाद है, तो दूसरी तरफ पुलिस की कार्यप्रणाली पर सीधे सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहराई से जांच की जा रही है और जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति पूरी तरह साफ हो पाएगी।

मिशन मोड पर कार्य कर राजधानी को देश के अग्रणी शहरों की श्रेणी में करें स्थापित - भजनलाल शर्मा

-खुले में कचरा फैंकने वालों पर हो कार्रवाई, मशीनीकृत सफाई व्यवस्था को मिले बढ़ावा
-पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए स्वच्छ, सुंदर और आकर्षक शहरी वातावरण किया जाए विकसित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जयपुर के सुव्यवस्थित विकास, स्वच्छता और सौंदर्यीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इसे देश के मॉडल शहर के रूप में विकसित किया जाए। इसके लिए उन्होंने संबंधित विभागों को समन्वित कार्ययोजना के साथ मिशन मोड पर कार्य करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर जयपुर के विकास, स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण को लेकर विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी की स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए कचरा संग्रहण, परिवहन एवं वैज्ञानिक निस्तारण के लिए बेहतर कार्ययोजना बनाकर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने स्वच्छता व्यवस्था को अनुशासित बनाने के लिए खुले में कचरा फेंकने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व भी है। इसलिए जनभागीदारी को बढ़ावा देते हुए जनजागरूकता अभियान चलाएं तथा सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं भामाशाहों को भी इस अभियान से जोड़ें। उन्होंने आधुनिक तकनीक पर बल देते हुए कहा कि मशीनीकृत सफाई व्यवस्था को बढ़ावा तथा मैनुअल व्यवस्था पर निर्भरता को कम करने के निर्देश दिए।

मानसून सीजन की तैयारियों को दें अंतिम रूप:-

मानसून सीजन को देखते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को समयबद्ध तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नालों की व्यापक सफाई समय रहते पूर्ण की जाए। इससे जलभराव की संभावित समस्याओं वाले क्षेत्रों की विशेष निगरानी करते हुए सुगम जल निकासी सुनिश्चित होगी। साथ ही, उन्होंने मानसून सीजन के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए संबंधित विभागों को समन्वित रूप से कार्य करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि राजधानी में विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर पूरे शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित स्वरूप प्रदान किया जाए। इसके लिए उन्होंने पर्याप्त संख्या में डस्टबिन उपलब्ध कराने तथा कचरा निस्तारण प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जयपुर केवल प्रदेश की राजधानी ही नहीं, बल्कि राजस्थान की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और पर्यटन पहचान का प्रमुख केंद्र है। उन्होंने निर्देश दिए कि पर्यटन स्थलों, प्रमुख मार्गों और सार्वजनिक स्थलों को विशेष रूप से स्वच्छ, आकर्षक और पर्यटन अनुकूल बनाया जाए, ताकि जयपुर की वैश्विक पहचान और अधिक सुदृढ़ हो सके। राजधानी के सौंदर्यीकरण को नई दिशा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ने शहर की एक प्रमुख सड़क को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 'मॉडल रोड' विकसित करने के निर्देश दिए। इस मॉडल रोड पर स्वच्छता, हरियाली, प्रकाश व्यवस्था, सौंदर्यीकरण, यातायात प्रबंधन, पैदल यात्री सुविधाएं एवं अन्य नागरिक सुविधाओं के उच्च मानक विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस परियोजना की सफलता के आधार पर अन्य प्रमुख मार्गों पर भी इसी मॉडल को लागू किया जाएगा। बैठक के दौरान जयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान आवासन मंडल एवं नगर निगम द्वारा राजधानी में संचालित विकास कार्यों तथा आगामी कार्ययोजना पर आधारित विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुए गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री कार्यालय, शहरी विकास विभाग, राजस्थान आवासन मंडल, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर नगर निगम, जिला प्रशासन सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जयपुर शहर में अवैध भंडारण, काला बाजारी एवं अवैध रिफिलिंग के विरुद्ध कार्रवाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के निर्देशानुसार घरेलू एवं व्यावसायिक गैस सिलेंडरों के अवैध भंडारण, काला बाजारी एवं अवैध रिफिलिंग की रोकथाम के लिए जिला कलक्टर संदेश नायक के निर्देशन में जिला रसद अधिकारी प्रथम जयपुर प्रियव्रत सिंह चारण के नेतृत्व में जयपुर शहर में चार सतर्कता दलों द्वारा विभिन्न स्थानों पर संयुक्त कार्रवाई की गई। जिला रसद अधिकारी प्रियव्रत सिंह चारण ने बताया कि सतर्कता दल "ए" ने पुलिस थाना खो नागोरियान के सहयोग से मच की पीपली, गोनेर रोड क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए अवैध भंडारण एवं क्रय-विक्रय की पुष्टि होने पर 19 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए। वहीं इंदिरा गांधी नगर, खातीपुरा क्षेत्र में अवैध रिफिलिंग पाए जाने पर 8 घरेलू गैस सिलेंडर, 2 इलेक्ट्रॉनिक मोटर एवं 2 इलेक्ट्रॉनिक कांटे जब्त किए गए। इस मामले में एक व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि सतर्कता दल "बी" ने गोनेर रोड स्थित बजरंग विहार क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए 10 घरेलू गैस सिलेंडर, 2 इलेक्ट्रॉनिक मोटर, 2 इलेक्ट्रॉनिक कांटे तथा अवैध रिफिलिंग में प्रयुक्त उपकरण जब्त किए। इसके अतिरिक्त प्लाट 12 ए बजरंग विहार गोनेर रोड से 17 घरेलू गैस सिलेंडर, एक इलेक्ट्रॉनिक मोटर, एक रेगुलेटर सहित नोजल एवं दो अवैध रिफिलिंग उपकरण जब्त किए गए। इस कार्रवाई में दो व्यक्तियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया। सतर्कता दल "सी" द्वारा दुकान संख्या 53 राजीव नगर, गोनेर रोड स्थित एक दुकान पर कार्रवाई के दौरान अवैध रिफिलिंग की पुष्टि होने पर 19 घरेलू गैस सिलेंडर एवं 2 इलेक्ट्रॉनिक मोटर जब्त की गईं। इस प्रकरण में एक व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई की गई। इसी प्रकार सतर्कता दल "डी" ने ज्योति गैस होम सर्विस, गोनेर रोड क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए 5 घरेलू गैस सिलेंडर तथा एक रेगुलेटर सहित नोजल जब्त किया। इस मामले में भी एक व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि समस्त कार्रवाई के दौरान कुल 78 गैस सिलेंडर, 7 इलेक्ट्रॉनिक मोटर, 4 इलेक्ट्रॉनिक कांटे, 2 रेगुलेटर सहित पाइप तथा 2 अवैध रिफिलिंग उपकरण जब्त किए गए। प्रकरणों में संलिप्त कुल 5 व्यक्तियों के विरुद्ध संबंधित पुलिस थानों में एफआईआर दर्ज कराने की कार्रवाई की जा रही है।

दीपक की मौत आत्महत्या नहीं - प्रताप सिंह खाचरियावास

-सरकार की गलत नीतियों को ठहराया जिम्मेदार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस नेता प्रताप सिंह खाचरियावास ने SMS मेडिकल कॉलेज, जयपुर के संविदा कर्मी दीपक चरवाल की मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह केवल एक व्यक्ति की मौत नहीं है, बल्कि राजस्थान सरकार की गलत नीतियों का परिणाम है। खाचरियावास ने कहा कि दीपक की मौत आत्महत्या नहीं, बल्कि राजस्थान सरकार की गलत नीतियों से हुई सरकारी हत्या है। घटना की जानकारी मिलते ही प्रताप सिंह खाचरियावास स्वयं SMS अस्पताल पहुंचे और वहां मौजूद संविदा कर्मचारियों से मुलाकात कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। उन्होंने कर्मचारियों की समस्याएं सुनीं और उन्हें भरोसा दिलाया कि उनकी लड़ाई को मजबूती से उठाया जाएगा। खाचरियावास ने कहा कि SMS मेडिकल कॉलेज के संविदा कर्मी दीपक चरवाल द्वारा आत्मदाह की घटना अत्यंत दुखद, पीड़ादायक और चिंताजनक है। राजस्थान सरकार द्वारा संविदा कर्मियों को हटाने के फैसले और उससे उत्पन्न नौकरी की असुरक्षा ने हजारों कर्मचारियों को गहरे मानसिक तनाव में डाल दिया है। बताया जा रहा है कि दीपक चरवाल भी अपने भविष्य और रोजगार को लेकर बेहद परेशान थे। उन्होंने कहा कि वर्षों से सेवा दे रहे संविदा कर्मचारियों के भविष्य को अंधकार में धकेलने का काम भाजपा सरकार ने किया है। सरकार की संवेदनहीन नीतियों ने कर्मचारियों को निराशा और हताशा की स्थिति में पहुंचा दिया है, जिसके कारण आज एक परिवार ने अपना सदस्य खो दिया। खाचरियावास ने मांग की कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, दीपक चरवाल के परिवार को पर्याप्त आर्थिक सहायता, सरकारी नौकरी एवं न्याय दिया जाए। साथ ही संविदा कर्मचारियों की नौकरी की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए सरकार अपने फैसले पर पुनर्विचार करे। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार को इस घटना की नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए। प्रदेश के लाखों कर्मचारी भय और असुरक्षा के माहौल में काम कर रहे हैं। सरकार उनकी चिंताओं को दूर करने के बजाय उन्हें बेरोजगारी की ओर धकेल रही है। खाचरियावास ने कहा, "राजस्थान सरकार शर्म करो। दीपक चरवाल को न्याय दो और संविदा कर्मचारियों के भविष्य को सुरक्षित करो।" सरकार को तत्काल संवेदनशीलता दिखाते हुए ठोस कदम उठाने चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

राज्य में नमक उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए नियमों में संशोधन

-अब ई-ऑक्शन से होगा भूखंड आवंटन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थीन सरकार द्वारा नमक उत्पाछदकों के हित को ध्या न में रखते हुए भूखंड आवंटन से संबंधित नियमों में संशोधन किया गया है।

राज्य में नमक उद्योग को बढावा देने के लिए वतर्मान में प्रचलित नियमों में संशोधन कर राजस्थायन (लवण क्षेत्रों में भूखंड आवटंन) संशोधन नियम, 2026 जारी किए गए हैं। नए नियमों के अनुसार, अब नमक उद्योग के लिए भूखंड आवंटन ई-ऑक्शन के माध्यम से किया जाएगा। पूर्व में यह प्रक्रिया लॉटरी आधारित थी। साथ ही, नियमों में अपील किए जाने, नमक इकाइयों के वर्गीकरण संबंधी प्रावधान भी शामिल किए गए हैं। जिन जिलो में नमक उत्पागदन हेतु लवणीय भूमि उपलब्धे है, उनमें अब सर्वे सीमांकन और भूखंडो के मापन के बाद आवंटन की कार्यवाही की जा सकेगी। इन नियमों की लंबे समय से नमक उत्पाउदको द्वारा मांग की जारी रही थी। वर्तमान में लीज नवीनीकरण से वंचित नमक उत्पादिक इकाइयों का नवीनीकरण किए जाने से नमक उद्यमियों को राहत मिलेगी। नए लवण क्षेत्रों मे आवंटन की राह खुलेगी, जिससे इस क्षेत्र में और अधिक निवेश होगा। इससे लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

300 इकाइयां नवीनीकरण से थी वचिंत, अब 6 माह की छूट मिलेगी

पूर्व के नियमों में लीज समाप्ते होने के चार वर्ष पश्चा6त नवीनीकरण करने को कोई प्रावधान नही होने से लगभग 300 नमक उत्पीदक इकाइयां लीज नवीनीकरण से वंचित थी, जिसके कारण नमक उत्पाादक काफी परेशान थे। राज्य सरकार द्वारा ऐसी इकाईयों को 6 माह की एकमुश्तस छूट प्रदान कर नमक उत्पाणदकों को काफी राहत प्रदान की है। इस छूट से नमक उत्पा दक इकाईयों का लीज नवीनीकरण हो सकेगा और राज्या सरकार को राजस्वा में भी लाभ मिलेगा।

कृषि मंत्री मीणा ने केंद्र सरकार के 12 साल 'विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के' की थीम पर आयोजित प्रदर्शनी का किया अवलोकन

-केंद्र एवं राज्य सरकार के ऐतिहासिक विकास कार्यों एवं योजनाओं की दी जानकारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। अलवर जिले के प्रभारी मंत्री तथा कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीना ने रविवार को केंद्र सरकार के 12 साल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन तथा सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय अलवर के द्वारा नवीन सूचना केंद्र में 12 साल 'विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के' की थीम पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा केंद्र एवं राज्य सरकार के विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी विस्तार से प्रदान की।

सेल्फी पॉइंट पर ली सेल्फी, भपंग वादक पद्मश्री गफरुद्दीन खां मेवाती ने योजनाओं पर दी आकर्षक प्रस्तुति-

जिला प्रभारी मंत्री ने प्रदर्शनी की सराहना करते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से निरंतर कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व में बड़ी शक्ति के रूप में उभरा है, दुनिया में देश का मान-सम्मान बढ़ा है। इस दौरान भपंग वादक पद्मश्री गफरुद्दीन खां मेवाती के दल ने लोकगीत के माध्यम से सरकार की योजनाओं पर आकर्षक प्रस्तुति दी।

केंद्र एवं राज्य सरकार के ऐतिहासिक कार्यों की जानकारी-

डॉ. मीना ने प्रेसवार्ता में केंद्र सरकार के 12 वर्षों में किए गए विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के 25 करोड़ नागरिकों को बहुआयामी गरीबी के जाल से सुरक्षित बाहर निकला गया, 4 करोड़ से अधिक पक्के पीएम आवासों का निर्माण करवाया, 81 करोड़ से अधिक लोगों को हर माह मुफ्त राशन का लाभ मिल रहा है, लगभग 9 करोड़ लाभार्थियों का पौषण ट्रैक कर लाभांवित कराया गया, किसानों के बैंक खातों में 4.3 लाख करोड़ रूपये की सम्मान राशि का बिना

किसी लीकेज के हस्तांतरण किया गया, करीब 2 करोड़ किसान और करीब 3 लाख व्यापारी ई-नाम पर पंजीकृत हुए, करीब 37 लाख घरों को पीएम सूर्यघर योजना से 78 हजार रूपये तक की सौलर सब्सिडी का लाभ प्रदान की गई, पीएम आवास योजना (शहरी) में लगभग 9 लाख करोड़ आवंटित कर करीब 1 करोड़ घर लोगों को दिये गए, 2.2 लाख से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत हुये, जिसमें 23 लाख से ज्यादा रोजगार मिले, 9 करोड़ से अधिक यात्रियों ने आधुनिक वंदे भारत एक्सप्रेस से यात्रा की, 1155 किमी. में मेट्रो नेटवर्क विकसित किया गया, अब मैट्रो का 26 शहरों में विस्तार हुआ, 60 करोड़ नागरिकों को 5 लाख तक के सालाना मुफ्त इलाज की सुरक्षा दी जा रही है, इसके लिये देशभर के गांवो और कस्बों में 1.8 लाख से ज्यादा आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का नेटवर्क स्थापित किया गया है, साथ ही अब 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को भी 5 लाख तक का मुफ्त उपचार प्रदान किया जा रहा है तथा 19 हजार से ज्यादा जन औषधि केन्द्रों का निर्माण किया गया।

उन्होंने कहा कि ज्ञान (गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी) मॉडल आधारित सशक्तिकरण हुआ है, हर घर नल का उपहार के तहत 16 करोड़ घरों में जल पहुंचा, 40 लाख करोड़ से अधिक का गारंटी फ्री मुद्रा लोन दिए गए जिन लाभार्थियों में से 75 प्रतिशत महिलाएं हैं, पीएम जनधन योजना से 32 करोड़ से अधिक महिलाओं के बैंक खाते खुले, 3 करोड़ से अधिक महिला किसान पीएम-किसान योजना से लाभान्वित हो रही है, 3 करोड़ से अधिक लखपति दीदी बनी ग्रामीण भारत की नई पहचान, 2030 तक 3 करोड़ और नई लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है, 3 करोड़ से अधिक महिला नेतृत्व वाले एमएसएमई देश की प्रगति में योगदान दे रहे हैं, देशभर में 2.2 लाख स्टार्टअप्स संचालित हैं, देश में 300 से ज्यादा स्पेस स्टार्टअप्स शुरू किए गए, 1045 खेलो इंडिया सेंटर्स स्थापित किए गए, 10 हजार से अधिक अटल टिंकरिंग लैब्स 1.1 करोड़ से अधिक स्टूडेंट्स को ट्रेनिंग दे रहे है, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत आवंटित पक्के घरों में से 44.19 प्रतिशत घर एससी-एसटी समुदाय को दिये गये, 5 करोड़ आदिवासियों का जीवन बेहतर करने के लिए 79 हजार करोड़ से ज्यादा का धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान संचालित किया गया, दुनिया का सबसे उंचा चिनाब रेलवे ब्रिज, समुद्र पर बना अटल सेतु, राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क का 1.46 लाख किलोमीटर से अधिक विस्तार, देश में 164 ऑपरेशनल एयरपोर्ट, देश में तेजी से 12 सेमीकण्डकर प्लांट आकार ले रहे है तथा दुनिया के 56 प्रतिशत डिजिटल लेनदेन अकेले भारत में हो रहे हैं, 51 लाख करोड़ से अधिक रूपये डीबीटी से सीधे लाभार्थियों के खातों में ट्रांसफर किए गए, सेना में महिलाओं को स्थायी कमीशन मिला, करीब 38,400 करोड़ का रिकॉर्ड डिफेंस एक्सपोर्ट के साथ ऑपरेशन सद्भाव, ऑपरेशन ब्रह्म, ऑपरेशन सागरबन्धु से लेकर वैक्सीन मैत्री तक भारत दुनिया का भरोसेमंद साथी बन रहा है तथा अयोध्या में 5 सदियों के लम्बे इन्तजार के बाद नव्य-भव्य-दिव्य श्री राम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण हुआ है एवं नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में भारत आज पूरी दुनिया में तीसरे स्थान पर है।

लल्लू भैया के बेटे आरिफ का इंतक़ाल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मरहूम फज़ले करीम कुरैशी उर्फ़ बाबू मौलाना के भाई अल्हाज सगीर अहमद उर्फ़ लल्लू भैया के फरजंद मोहम्मद आरिफ कुरैशी उर्फ़ आली भाई का 10 जून 2026 को अचानक से इंतक़ाल हो गया। लल्लू भैया चांदपोल बाजार में रहते हैं। आरिफ कुरैशी की उम्र करीब 40 वर्ष के आस-पास थी। अल्लाह तआला मरहूम की मगफिरत फरमायें, जन्नतुल फिरदौस में आला मुकाम अता फरमाए और तमाम अहले खाना को सब्र-ए-जमील अता फरमाए। आमीन।

श्री रामदेवरा भक्तगण संघ यात्रा रामदेवरा धाम रवाना

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। शहर के बाई का बास ग्राम से श्री रामदेवरा भक्तगण संघ चौमूं बाबा रामदेवरा धाम जैसलमेर के लिए यात्रा रवाना हुई। सरपंच प्रशासक सुल्तान बुनकर व सुखाराम डूंडलोदिया ने यात्रा को रवाना किया। बलाई विकास समिति जयपुर के अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार, महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया, कोषाध्यक्ष नानगराम लूणीवाल, उपाध्यक्ष कालूराम सामरिया, सदस्य गुलाबनाथ बुढगाया, समाजसेवी लालाराम महरडा, रामगोपाल डोई, गणेशनारायण बगवाडिया, किशनलाल चिराणिया, रामस्वरूप गोठवाल, रामप्रसाद बाण्या, सरजू देवी, सुगना देवी, मंजू देवी, मीरा देवी, विमला देवी, कलावती देवी आदि यात्री रवाना हुए।

रिश्वत लेते हुए पकड़ी गई कर्नाटक पुलिस

- एसीबी ने किया गिरफ्तार, दहेज का मुकदमा हल्का करने की एवज में 2 लाख की मांग की

जयपुर। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जयपुर नगर-प्रथम इकाई द्वारा कार्यवाही करते हुए कर्नाटक, बैंगलूरू पुलिस के एच.ए.एल थाने की उप निरीक्षक श्रीमति अनीथा के., हैड कानि. उलवप्पा, व हैड कानि. यतीश को 40,000/- रूपये रिश्वत लेते हुए को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कि एसीबी की चौकी जयपुर नगर-प्रथम को एक शिकायत इस आशय की मिली कि परिवादी व उसके परिवारजनों के खिलाफ उसकी पुत्रवधु द्वारा दहेज माँगने का एक प्रकरण बैगलूरू पुलिस के एच.ए.एल. पुलिस थाने में दर्ज करवा रखा है। जिसके प्रथम सूचना रिपोर्ट नं. 0055/2026 है, जिसकी जाँच के लिए एच.ए.एल. पुलिस थाने से महिला उप निरीक्षक श्रीमति अनीथा के. अपने दो साथियों उलवप्पा, हैड कानि. व यतीश, हैड कानि. के साथ जयपुर आये है और मेरे खिलाफ दर्ज प्रकरण में केस को हल्का करने और हम परिवारजनों को आरोपों से बरी करने की एवज में 2 लाख रूपये रिश्वत राशि लेने के लिए दवाब बना रहे है और अपने साथी हैड कानि. उलवप्पा से होटल में मिलने के लिए फोन करवा रहे है। जिस पर ओमप्रकाश मीना, उप महानिरीक्षक पुलिस-द्वितीय, जयपुर के सुपरविजन में एसीबी चौकी जयपुर नगर-प्रथम की टीम द्वारा उक्त शिकायत का सत्यापन करवाने पर 2 लाख रूपये रिश्वत की माँग करना सही पाया गया तथा परिवादी को कल सुबह तक रिश्वत की व्यवस्था करके लाने के लिए कहा गया। इस पर दिनांक 14.06.2026 को भूपेन्द्र, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में चौकी जयपुर नगर-प्रथम की टीम द्वारा ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपी उलवप्पा, हैड कानि. को 40,000/- रूपये की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया, उनकी टीम के बाकी दो सदस्यों श्रीमति अनीथा के. उप निरीक्षक, यतीश, हैड कानि. से बाद पूछताछ उनके अपराध में संलिप्तता पाये जाने पर गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से पूछताछ की कार्यवाही जारी है एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

जिला प्रवक्ता अरविन्द यादव द्वारा लिया गौ सेवा का संकल्प

-प्रत्येक दिन अलग-अलग गौशाला में भेजी जाएगी चारे की गाड़ी

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा के आगामी जन्मदिवस (20 जून) के उपलक्ष्य में रविवार को चौमूं के प्राचीन श्री गढ़ गणेश जी मंदिर प्रांगण से "गौ सेवा सप्ताह" की शुरुआत की गई है। इस पुण्यमयी कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि रामलाल शर्मा ने चारे से भरी तीन गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर क्षेत्र की विभिन्न गौशालाओं के लिए रवाना किया। कार्यक्रम से पहले भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का साफा एवं माला पहनाकर समारोह को संबोधित करते हुए रामलाल शर्मा ने कहा कि उन्होंने इस अनूठे और सेवाभावी आयोजन के लिए भाजपा जिला प्रवक्ता अरविंद यादव और उनकी पूरी टीम सहित ज्ञापित किया। शर्मा ने कहा इस पुनीत अवसर पर रामलाल शर्मा ने उपस्थित सैकड़ों युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सभी युवा

साथियों से पुरज़ोर आह्वान किया कि वे वर्तमान दौर में तेज़ी से पैर पसार रहे नशे और साइबर अपराध जैसी भयानक कुप्रवृत्तियों से पूरी तरह दूर रहें। आपके द्वारा निस्वार्थ भाव से किए गए अच्छे, परोपकारी और मानवीय कार्य ही समाज में आपको वास्तविक प्रतिष्ठा, गौरव और सच्चा मान-सम्मान दिलाते हैं। इस अवसर पर भाजपा जिला प्रवक्ता अरविन्द यादव ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि रामलाल शर्मा के जन्मदिन के अवसर पर लेकर चार की पिकअप से गौशाला में भिजवाकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष बाबूलाल सैनी, नगर पालिका पूर्व अध्यक्ष आशीष दुसाद, पूर्व उपाध्यक्ष कालूराम जाट, भाजपा जिला उपाध्यक्ष अर्चना कुमावत, ऋतूराज, राजेंद्र कुमावत, मार्शल जाट, अरविंद अनंतपुरा, मुकेश डागर, सुभाष यादव, ओम यादव, संतोष यादव सहित भाजपा पदाधिकारी, जन प्रतिनिधि एवं युवा साथी उपस्थित रहे।

डेयरी सचिव यादव को मिलेगा भारत भूटान शांति रत्न अवॉर्ड

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं तहसील के ग्राम पंचायत धिनोई के निवासी को 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अंतर्राष्ट्रीय समरसता मंच द्वारा भूटान देश की राजधानी थिंपू में G 25 देशों का समरसता शिखर सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है जिसमें चौमूं क्षेत्र के घिनोई निवासी नई ढाणी दुग्ध समिति सचिव पशुधन सहायक रामचंद्र यादव को डेयरी एवं पशुपालन के क्षेत्र में विशेष योगदान देने हेतु भारत की ओर से चयनित प्रतिभा को विभिन्न देशों के प्रतिनिधि एवं भूटान देश के गणमान्य लोगों द्वारा यादव को भारत भूटान शांति रत्न अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। सम्मेलन में भारत की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 31 प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा।

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

(पिछले अंक से जारी) **(रणनीति)**

115. 'दिल्ली चलो' का नारा किसने दिया था?
(A) गांधी (B) नेहरू
(C) सुभाषचंद्र बोस (D) पटेल
उत्तर: (C)
व्याख्या: सुभाषचंद्र बोस ने आज़ादी की लड़ाई के दौरान "दिल्ली चलो" का नारा दिया।

116. 'इंडियन नेशनल आर्मी (INA)' का गठन किस वर्ष हुआ?
(A) 1940 ई. (B) 1941 ई.
(C) 1942 ई. (D) 1943 ई.
उत्तर: (C)
व्याख्या: रास बिहारी बोस ने 1942 में इंडियन नेशनल आर्मी की स्थापना की थी।

117. सुभाषचंद्र बोस ने 'फॉरवर्ड ब्लॉक' की स्थापना कब की थी?
(A) 1938 ई. (B) 1939 ई.
(C) 1940 ई. (D) 1941 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: 1939 ई. में कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद बोस ने फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना की।

118. भारत की अंतरिम सरकार कब बनी?
(A) 1945 ई. (B) 1946 ई.
(C) 1947 ई. (D) 1948 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: 2 सितंबर 1946 को अंतरिम सरकार का गठन हुआ, जिसके उपाध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू बने।

119. 'कैबिनेट मिशन योजना' कब आई?
(A) 1942 ई. (B) 1945 ई.
(C) 1946 ई. (D) 1947 ई.
उत्तर: (C)
व्याख्या: मार्च 1946 में ब्रिटेन से तीन मंत्रियों का दल भारत भेजा गया जिसे कैबिनेट मिशन कहा गया।

120. भारत की स्वतंत्रता की घोषणा कब की गई?
(A) 15 अगस्त 1946
(B) 15 अगस्त 1947
(C) 26 जनवरी 1950
(D) 2 अक्टूबर 1947
उत्तर: (B)
व्याख्या: भारत 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्र हुआ और पंडित नेहरू ने "नए युग की सुबह" का भाषण दिया।

121. भारत के प्रथम गवर्नर जनरल कौन बने?
(A) लॉर्ड माउंटबेटन
(B) डॉ. राजेंद्र प्रसाद
(C) जवाहरलाल नेहरू
(D) सी. राजगोपालाचारी
उत्तर: (A)
व्याख्या: स्वतंत्र भारत के प्रथम गवर्नर जनरल लॉर्ड माउंटबेटन बने, तत्पश्चात सी. राजगोपालाचारी।

122. भारत का प्रथम प्रधानमंत्री कौन था?
(A) पटेल (B) नेहरू
(C) राजगोपालाचारी (D) गांधी
उत्तर: (B)
व्याख्या: स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू बने।

-डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल)

जॉब्स खबर

BSNL में 100 पदों पर आवेदन शुरू

भारत सरकार की टेलीकॉम कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) ने 100 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट bsnl.co.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन में करेक्शन के लिए विंडो 4 जुलाई से 11 जुलाई तक खुली रहेगी।

आवेदन शुरू :
04 जून से 03 जुलाई 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
मान्यता प्राप्त संस्थान से दूरसंचार, इलेक्ट्रॉनिक्स, रेडियो, कंप्यूटर, विद्युत, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी या इंस्ट्रूमेंटेशन विषयों में से किसी एक में इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन की डिग्री या समकक्ष योग्यता या एमएससी (इलेक्ट्रॉनिक्स) या एमएससी (कंप्यूटर साइंस) होना चाहिए। वहीं कुछ विषयों में एमटेक की डिग्री प्राप्त कर चुके उम्मीदवार भी अप्लाई कर सकते हैं।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 20 साल
अधिकतम : 30 साल
आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों को अधिकतम आयु सीमा में नियमानुसार छूट दी जाएगी।

फीस :
यूआर/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस : 2,000 रुपए
एससी/एसटी/पीडब्ल्यूबीडी : 1,000 रुपए

सैलरी:
45,000 - 55,000 रुपए प्रतिमाह
अन्य अलाउंस का लाभ भी मिलेगा।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट bsnl.co.in पर जाएं।

पंजाब में 6,289 पदों पर निकली भर्ती

पीएसपीसीएल ने असिस्टेंट लाइनमैन के 6,289 पदों पर भर्ती निकाली है। आवेदन 15 जून 2026 से शुरू होंगे। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट www.pspcl.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे।

आवेदन शुरू :
15 जून से 09 जुलाई 2026 तक

सैलरी :
19,990 रुपए प्रतिमाह

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 37 साल

फीस :
जनरल, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी और अन्य : 1,416 रुपए + बैंक शुल्क
एससी, पीडब्ल्यूडी : 885 रुपए + बैंक शुल्क

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट www.pspcl.in पर जाएं।

UPSSSC ने 170 पदों पर निकाली भर्ती

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने 170 पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट upsssc.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
09 जून से 29 जून 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश की 12वीं या सरकार द्वारा उसके समकक्ष अन्य परीक्षा पास की हो।
वे ही उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं जिन्होंने पीईटी - 2025 एग्जाम पास की हो।

शारीरिक योग्यता :
पुरुषों की न्यूनतम ऊंचाई : 167.6 सेमी
सामान्य वर्ग की महिलाओं की न्यूनतम ऊंचाई : 160 सेमी
अनुसूचित जाति की महिलाओं के लिए न्यूनतम ऊंचाई : 152 सेमी
पुरुषों का सीना : न्यूनतम 84 सेमी (फुलाने पर) और रिजर्व कैटेगरी के लिए 82 सेंटीमीटर फुलाने पर हो।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 40 साल
आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में नियमानुसार छूट दी जाएगी।

फीस :
सभी कैटेगरी के लिए : 25 रुपए

सैलरी:
21,700 - 69,100 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट upsssc.gov.in पर जाएं।

हेल्थ अपडेट्स

मानसून में इम्युनिटी बढ़ाने के लिए हल्दी का पानी बेहतर या अदरक का पानी?

मानसून का मौसम जहां गर्मी से राहत देता है, वहीं इस दौरान संक्रमण, सर्दी-जुकाम, वायरल बुखार और पाचन संबंधी समस्याओं का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे में शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्युनिटी को मजबूत रखना बेहद जरूरी हो जाता है। आयुर्वेद में हल्दी और अदरक दोनों को ही स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना गया है। लेकिन सवाल यह है कि मानसून में इम्युनिटी बढ़ाने के लिए हल्दी का पानी बेहतर है या अदरक का पानी? आइए जानते हैं।

हल्दी का पानी: प्राकृतिक एंटीसेप्टिक और इम्युनिटी बूस्टर

हल्दी में करक्यूमिन (Curcumin) नामक सक्रिय तत्व पाया जाता है, जो एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है। सुबह गुनगुने पानी में हल्दी मिलाकर पीने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। हल्दी का पानी शरीर में सूजन कम करने, बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने तथा संक्रमण के खतरे को कम करने में मदद करता है। इसके नियमित सेवन से पाचन तंत्र भी बेहतर रहता है और शरीर को डिटॉक्स करने में सहायता मिलती है। मानसून में बार-बार होने वाली सर्दी-जुकाम की समस्या से बचाव के लिए भी हल्दी का पानी फायदेमंद माना जाता है।

अदरक का पानी: पाचन और सर्दी-जुकाम में असरदार

अदरक में जिंजरॉल (Gingerol) नामक तत्व पाया जाता है, जो शरीर को संक्रमण से बचाने में मदद करता है। अदरक का पानी खासतौर पर पाचन संबंधी समस्याओं, गैस, अपच और मतली में राहत देता है। मानसून के दौरान नमी बढ़ने से कई लोगों को गले में खराश, खांसी और सर्दी की शिकायत हो जाती है। ऐसे में अदरक का पानी काफी लाभदायक साबित हो सकता है। यह शरीर को गर्माहट देता है और श्वसन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद करता है। इसके अलावा अदरक का पानी रक्त संचार को बेहतर बनाने में भी सहायक माना जाता है।

कौन है ज्यादा बेहतर?

अगर केवल इम्युनिटी बढ़ाने की बात करें तो हल्दी का पानी थोड़ा अधिक प्रभावी माना जाता है क्योंकि इसमें मौजूद करक्यूमिन शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वहीं यदि आपको पाचन संबंधी समस्याएं, गले में खराश या सर्दी-जुकाम की शिकायत रहती है तो अदरक का पानी अधिक लाभ पहुंचा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार दोनों के अपने-अपने फायदे हैं। बेहतर परिणाम के लिए कई लोग हल्दी और अदरक दोनों को मिलाकर गुनगुने पानी में सेवन भी करते हैं। मानसून में स्वस्थ रहने के लिए हल्दी और अदरक दोनों ही उपयोगी हैं। इम्युनिटी मजबूत करने के लिए हल्दी का पानी बेहतर विकल्प माना जा सकता है, जबकि पाचन और मौसमी संक्रमण से बचाव के लिए अदरक का पानी लाभकारी है। हालांकि किसी भी चीज का अत्यधिक सेवन करने से बचना चाहिए और यदि कोई पुरानी बीमारी है तो डॉक्टर की सलाह के बाद ही नियमित सेवन शुरू करें।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

एर्दोगान मुस्लिम जगत का खलीफा बनने की योजना पर तेजी से काम कर रहे हैं

तुर्की और सऊदी अरब ने मंगलवार को ऐतिहासिक 'हेजाज रेलवे' डील पर दस्तखत कर दिए हैं। इसका मकसद क्षेत्रीय सहयोग और कनेक्टिविटी को बढ़ाना है। मिडिल ईस्ट के लिए इस रेलवे प्रोजेक्ट को गेमचेंजर माना जा रहा है। इस समझौते के साथ ही सऊदी अरब ऐतिहासिक हेजाज़ रेलवे को फिर से शुरू करने की प्रक्रिया में शामिल होने वाला सबसे नया देश बन गया है। यह रेलवे तुर्की, सीरिया, जॉर्डन और सऊदी अरब को आपस में जोड़ेगा। तुर्की के परिवहन मंत्री अब्दुलकादिर उरालोलु मंगलवार को सऊदी अरब के अपने समकक्षों के साथ बातचीत के लिए रियाद गए थे। आधिकारिक हस्ताक्षर समारोह के दौरान उरालोलु ने कहा 'हमारे क्षेत्र के लिए इस संवेदनशील समय में व्यापार और लॉजिस्टिक्स चेन का बिना किसी रुकावट के चलना पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। इस दौर में परिवहन क्षेत्र के सामने आने वाली बाधाओं को दूर करना एक रणनीतिक आवश्यकता है।'

सऊदी- तुर्की में ऐतिहासिक 'हेजाज रेलवे' समझौता क्या है?

अंकारा का लक्ष्य सीरिया, जॉर्डन और इराक से होकर गुजरने वाले परिवहन मार्गों को चालू करना है। यह विशाल रेलवे नेटवर्क तुर्की को सीरिया, जॉर्डन और सऊदी अरब से जोड़ते हुए खाड़ी देशों ओमान तक को सीधे यूरोप से जोड़ने का एक महा-प्रोजेक्ट है। इस ऐतिहासिक रेल लाइन को आधुनिक बनाकर भूमध्य सागर और खाड़ी बाजारों के बीच एक मजबूत जमीनी मार्ग तैयार करना है। यह समुद्री रास्तों जैसे स्वेज नहर या होर्मुज जलडमरूमध्य पर निर्भरता को कम करेगा। इस ऐतिहासिक हिजाज़ रेलवे लाइन की कुल लंबाई लगभग 1,322 किलोमीटर है जो सीरिया की राजधानी दमिश्क से शुरू होकर सऊदी अरब के पवित्र शहर मदीना तक जाती है। बाद में बनाए गए इसके विभिन्न साइड-ट्रैक्स और अन्य शाखाओं को जोड़कर इस पूरे पुराने नेटवर्क की कुल लंबाई करीब 1,900 किलोमीटर तक पहुंच जाती है। तुर्की के परिवहन मंत्री अब्दुलकादिर उरालोलु ने कहा 'तुर्की से शुरू होकर इराक होते हुए सऊदी अरब तक जाने वाले दो ट्रायल रन ने साफ तौर पर इस रूट की व्यावहारिकता को साबित कर दिया है।' पिछले साल से तुर्की बार-बार यह कहता रहा है कि वह ऐतिहासिक हेजाज़ रेलवे को फिर से शुरू करना चाहता है जो कभी इस्तांबुल से सऊदी अरब के पवित्र स्थलों तक जाती थी।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को करेगा बायपास

इस रेलवे को ओमान और हिंद महासागर तक बढ़ाने की योजना है। इसका मकसद एक ऐसा वैकल्पिक व्यापार कॉरिडोर बनाना है जो होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर न गुजरे। ऐसे हालात में तुर्की खाड़ी और यूरोप के बीच एक ट्रांज़िट हब, रेलवे लॉजिस्टिक्स बेस और एक अहम जंक्शन बन सकता है जहां एनर्जी और ट्रेड कॉरिडोर आपस में मिलते हैं। अप्रैल महीने में तुर्की, सीरिया और जॉर्डन ने एक ऐसा ही तीन-पक्षीय समझौता किया था। इसका मकसद क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूत करना, ट्रांसपोर्ट सिस्टम को एक साथ लाना और सीमा-पार ट्रांसपोर्ट को आसान बनाने के लिए एक व्यापक ढांचा तैयार करना था।

125 साल पुराना है हेजाज रेलवे का इतिहास

मशहूर हेजाज रेलवे ऑटोमन सुल्तान अब्दुलहमीद द्वितीय का एक महत्वाकांक्षी विजन था। उन्होंने 1900 में तुर्की के इस्तांबुल को सऊदी अरब के मक्का से जोड़ने वाली रेल लाइन बनाने की योजना बनाई थी। मिडिल ईस्ट आई के मुताबिक पश्चिमी अरब प्रायद्वीप के हेजाज़ इलाके के नाम पर बनी इस रेलवे लाइन का नाम रखा गया था। इसी इलाके में इस्लाम के दो सबसे पवित्र शहर मक्का और मदीना स्थित हैं। इसकी शुरुआत साल 1900 में ऑटोमन साम्राज्य के सुल्तान अब्दुल हामिद द्वितीय ने की थी। साल 1908 में यह पहली बार चालू हुई थी और दमिश्क से मदीना के बीच चलती थी। इसका मुख्य उद्देश्य मुस्लिम तीर्थयात्रियों के लिए मक्का-मदीना की यात्रा को आसान बनाना था जो 40 दिन के सफर को घटाकर 5 दिन कर देती थी। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान इस रेल लाइन को भारी नुकसान पहुंचाया गया था और उसके बाद ये बंद हो गया। अब 125 साल बाद इसे एक आधुनिक कॉरिडोर के रूप में ढाला जा रहा है। इस रेलवे का निर्माण बहुत तेजी से किया गया था और इसके लिए पूरी फंडिंग मुसलमानों के दान से हुई थी। कुछ योगदान स्वेच्छा से दिए गए थे जबकि कुछ जबरदस्ती लिए गए थे। यह लाइन पहले से ही इस्तांबुल से जुड़ी हुई थी और दमिश्क से मदीना तक फैली हुई थी साथ ही इसकी एक ब्रांच लाइन इजरायल के हाइफा तक भी जाती थी। तुर्की तकनीकी विकास करके, मुस्लिम देशों के साथ आर्थिक सबंध मजबूत बनाकर अपने आप को मुस्लिम जगत का खलीफा साबित करना चाहता है। तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगान मुस्लिम दुनिया का खलीफा बनने की योजना पर तेजी से कम कर रहे हैं।

उमर खय्याम : एक महान गणितज्ञ, ज्योतिषी, कवि और दार्शनिक

उमर खय्याम एक फारसी गणितज्ञ, ज्योतिषी, खगोल शास्त्री, दार्शनिक और कवि थे। इनका जन्म 18 मई 1048 को निशापुर (वर्तमान ईरान) में हुआ और 4 दिसंबर 1131 को 83 वर्ष की उम्र में मृत्यु हुई। इनके वालिद इब्राहीम खय्याम थे । "ख़य्याम" का अर्थ है खेमा (तंबू) बनाने वाला। माना जाता है कि उनके वालिद या पूर्वजों का संबंध इसी व्यवसाय ख़ेमा/तम्बू बनाने से था। उनका परिवार सम्मानित और शिक्षित माना जाता है, जिससे उन्हें प्रारम्भ से ही शिक्षा का अनुकूल वातावरण मिला। उमर ख़य्याम बचपन से ही अत्यंत मेधावी थे। उन्हें अरबी, फ़ारसी, गणित, तर्क शास्त्र और धार्मिक अध्ययन की प्रारम्भिक शिक्षा निशापुर में मिली। उस समय निशापुर इस्लामी दुनिया के प्रमुख ज्ञान-केंद्रों में से एक था, जहाँ विद्वानों का जमावड़ा रहता था। कहा जाता है कि किशोरावस्था में ही उनकी असाधारण स्मरण-शक्ति और गणितीय प्रतिभा प्रसिद्ध हो गई थी। उन्होंने उस दौर के प्रसिद्ध विद्वानों से शिक्षा प्राप्त की। गणित, ज्यामिति, दर्शन, चिकित्सा और खगोल विज्ञान में विशेष रुचि ली। यूनानी दार्शनिकों, विशेषकर Aristotle तथा इब्ने सीना के विचारों का उन पर गहरा प्रभाव पड़ा। उमर ख़य्याम का स्वभाव जिज्ञासु, स्वतंत्र विचारों वाला और तर्कप्रधान माना जाता है। वे हर बात को विवेक और प्रमाण की कसौटी पर परखने के पक्षधर थे। यही कारण है कि वे एक साथ वैज्ञानिक, दार्शनिक और कवि के रूप में प्रसिद्ध हुए। उनका पूरा नाम ग़ियासुद्दीन अबुल फ़तह उमर इब्न इब्राहीम अल-ख़य्याम निशापुरी है।

उमर ख़य्याम को चार रूपों में याद किया जाता है :-

1. महान गणितज्ञ के रुप में
2. खगोल शास्त्री के रुप में
3. दार्शनिक के रुप में
4. रुबाईकार कवि के रुप में

दिलचस्प बात यह है कि इस्लामी जगत में उन्हें लंबे समय तक मुख्यतः वैज्ञानिक के रूप में जाना गया, जबकि पश्चिमी दुनिया ने उन्हें पहले कवि के रूप में पहचाना।

महान गणितज्ञ के रुप में इनका योगदान :- गणित के इतिहास में उनका स्थान अत्यंत ऊँचा है। वे 11वीं शताब्दी के उन विद्वानों में थे, जिन्होंने बीजगणित और ज्यामिति को नई दिशा दी। उमर ख़य्याम से पहले गणितज्ञ मुख्यतः रैखिक (Linear) और द्विघात (Quadratic) समीकरणों पर काम कर चुके थे। ख़य्याम ने घन समीकरणों का व्यवस्थित अध्ययन किया।

उन्होंने विभिन्न प्रकार की घन समीकरणों को वर्गीकृत किया और उनके हल ज्यामितीय विधियों से खोजे। उनकी सबसे महत्वपूर्ण कृति 'रिसाला फी अल-जबर वा अल-मुकाबला' (बीजगणित की समस्याओं के प्रमाण पर ग्रंथ) है, जो 1070 ईस्वी में लिखी गई । इस पुस्तक ने बीजगणित के सिद्धांतों को व्यवस्थित किया और बाद में यूरोप तक पहुंचने वाली गणितीय परंपरा की नींव रखी । आज हम इन्हें बीजगणितीय सूत्रों से हल करते हैं, लेकिन ख़य्याम ने वृत्त, परवलय (Parabola) और अतिपरवलय (Hyperbola) के प्रतिच्छेद (intersection) द्वारा समाधान प्राप्त करने की विधियाँ विकसित कीं। उन्होंने अनुपातों और परिमाणों के अध्ययन में अधिक व्यापक दृष्टिकोण अपनाया, जिससे वास्तविक संख्याओं (Real Numbers) की अवधारणा के विकास को अप्रत्यक्ष रूप से बल मिला। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे बीजगणित और ज्यामिति को अलग-अलग विषय नहीं मानते थे। घन समीकरणों के हल में उन्होंने दोनों का संयोजन किया। यही विचार आगे चलकर विश्लेषणात्मक ज्यामिति (Analytic Geometry) के विकास में महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ, जिसे बाद में René Descartes ने व्यवस्थित रूप दिया। उमर खय्याम त्रिघात समीकरणों (Cubic Equations) का ज्यामितीय समाधान खोजने वाले पहले व्यक्ति थे । उनका बीजगणित पर लिखा ग्रंथ अपने समय का एक महत्वपूर्ण कार्य था । घन समीकरणों के व्यवस्थित वर्गीकरण का श्रेय उन्हें दिया जाता है। उमर खय्याम ने यूक्लिड के 'एलिमेंट्स' की आलोचना करते हुए समान्तर स्वयंसिद्ध (Parallel Postulate) पर एक महत्वपूर्ण कृति लिखी । इस कार्य में उन्होंने 'खय्याम-सैकचेरी चतुर्भुज' की अवधारणा पेश की। यह खोज सैकड़ों साल बाद गैर-यूक्लिडियन ज्यामिति (Non-Euclidean Geometry) के विकास की नींव बनी । उन्होंने गणित में "प्रमाण" और "तार्किक संरचना" को विशेष महत्व दिया। वे यूनानी गणित और आधुनिक गणित के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी थे। खय्याम स्वयं कहते थे:-"जो कोई सोचता है कि बीजगणित अज्ञात को प्राप्त करने की एक युक्ति मात्र है, वह व्यर्थ सोचता है... बीजगणित ज्यामितीय तथ्य हैं।" कई इतिहासकार उमर ख़य्याम को "मध्यकालीन इस्लामी दुनिया का महानतम बीजगणितज्ञ" भी कहते हैं।

वे अपने समय के अग्रणी खगोल-शास्त्रियों में भी गिने जाते हैं।

उनकी प्रमुख खगोलीय उपलब्धियाँ निम्नलिखित हैं:

1. जलाली कैलेंडर का निर्माण

1074 ई. में उमर खय्याम को सुल्तान मलिक शाह ने एक खगोलीय समिति का प्रमुख नियुक्त किया। इस समिति ने 1079 ई. में जलाली कैलेंडर (Jalali Calendar) तैयार किया।

यह कैलेंडर सूर्य की वास्तविक गति पर आधारित था। इसकी त्रुटि अत्यंत कम थी। कई विद्वान इसे उस समय के जूलियन कैलेंडर से अधिक सटीक मानते हैं। आधुनिक ईरानी (फ़ारसी) कैलेंडर की जड़ें इसी प्रणाली में हैं।

2. वर्ष की लंबाई का अत्यंत सटीक निर्धारण

उमर खय्याम और उनकी टीम ने सौर वर्ष की अवधि लगभग 365.2422 दिन निर्धारित की।

वर्ष की लंबाई का अत्यंत सटीक निर्धारण

आज आधुनिक विज्ञान के अनुसार उष्णकटिबंधीय (Tropical) वर्ष की लंबाई लगभग 365.24219 दिन मानी जाती है।

इस प्रकार उनका अनुमान आश्चर्यजनक रूप से वास्तविक मान के बहुत निकट था।

3. इस्फ़हान वेधशाला में कार्य

Isfahan Observatory में उन्होंने खगोलीय प्रेक्षणों का नेतृत्व किया। सूर्य और ग्रहों की स्थितियों का अध्ययन किया गया। कैलेंडर सुधार हेतु दीर्घकालिक अवलोकन किए गए। खगोलीय गणनाओं को अधिक सटीक बनाया गया।

4. खगोल-शास्त्र और गणित का समन्वय:-

उमर खय्याम ने खगोलीय गणनाओं में उन्नत गणितीय विधियों का उपयोग किया। ग्रहों और सूर्य की गति की गणना में गणित का प्रयोग किया। समय मापन और कैलेंडर निर्माण को वैज्ञानिक आधार प्रदान किया। उमर खय्याम की सबसे बड़ी खगोलीय उपलब्धि जलाली कैलेंडर का निर्माण और सौर वर्ष की अत्यंत सटीक गणना मानी जाती है।

उमर खय्याम एक गंभीर दार्शनिक भी थे। उनका दार्शनिक चिंतन मुख्यतः तर्क, अस्तित्व, ईश्वर, ज्ञान और मानव जीवन के अर्थ से संबंधित था।

1. तर्कवाद (Rationalism) का समर्थन

उमर खय्याम का मानना था कि सत्य की खोज में बुद्धि और तर्क का महत्वपूर्ण स्थान है।

उन्होंने दार्शनिक प्रश्नों पर अंधानुकरण के बजाय विचार और विवेक को महत्व दिया।

वे यूनानी दार्शनिक परंपरा, विशेषकर Aristotle और इब्न सीना से प्रभावित थे।

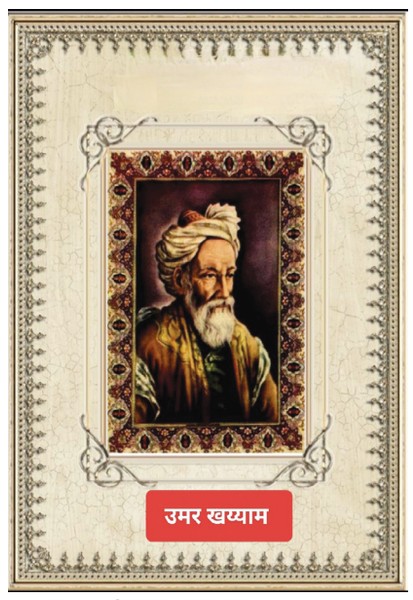

2. अस्तित्व और सृष्टि पर विचार:-

खय्याम ने सृष्टि की उत्पत्ति, ईश्वर और ब्रह्मांड के संबंध पर विचार किया।

वे ईश्वर को ब्रह्मांड का प्रथम कारण मानते थे।

उनका प्रयास दर्शन और धर्म के बीच सामंजस्य स्थापित करना था।

वे ब्रह्मांड को एक सुव्यवस्थित व्यवस्था के रूप में देखते थे।

3. ज्ञानमीमांसा (Epistemology)

उन्होंने यह प्रश्न उठाया कि मनुष्य वास्तविक ज्ञान कैसे प्राप्त करता है।

इंद्रिय अनुभव और तर्क दोनों को ज्ञान का स्रोत माना।

साथ ही यह भी स्वीकार किया कि मानव ज्ञान की सीमाएँ हैं।

कुछ अंतिम सत्य ऐसे हो सकते हैं जिन्हें मनुष्य पूरी तरह न समझ सके।

4. जीवन की क्षणभंगुरता

उनकी प्रसिद्ध रुबाइयों में जीवन की अनिश्चितता और क्षणभंगुरता का विषय बार-बार आता है।

मनुष्य का जीवन अल्पकालिक है।

भविष्य अनिश्चित है।

इसलिए वर्तमान क्षण का मूल्य समझना चाहिए।

हालाँकि उनकी काव्यात्मक अभिव्यक्तियों को कभी-कभी भोगवाद समझ लिया जाता है, पर कई विद्वान उन्हें जीवन की नश्वरता पर दार्शनिक चिंतन मानते हैं। हालाँकि उनकी काव्यात्मक अभिव्यक्तियों को कभी-कभी भोगवाद समझ लिया जाता है, पर कई विद्वान उन्हें जीवन की नश्वरता पर दार्शनिक चिंतन मानते हैं।

5. स्वतंत्र चिंतन

उमर खय्याम ने अनेक जटिल धार्मिक और दार्शनिक प्रश्नों पर स्वतंत्र दृष्टिकोण अपनाया।

उन्होंने भाग्य, स्वतंत्र इच्छा और ईश्वरीय न्याय जैसे विषयों पर विचार किया।

उनके प्रश्नों ने बाद के दार्शनिकों को भी प्रभावित किया।

उनकी प्रमुख दार्शनिक रचनाएँ

Treatise on Existence (अस्तित्व पर ग्रंथ)

Treatise on Universal Principles of Existence

The Necessity of Contradiction in the World

उमर खय्याम का दर्शन तर्क, अनुभव और आध्यात्मिक प्रश्नों के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास है। वे न तो केवल रहस्यवादी थे और न ही केवल कठोर तर्कवादी; बल्कि उन्होंने मानव जीवन, ज्ञान और ब्रह्मांड के रहस्यों को समझने के लिए दोनों दृष्टियों का उपयोग किया। इसी कारण उन्हें मध्यकालीन इस्लामी बौद्धिक परंपरा के महत्वपूर्ण दार्शनिकों में गिना जाता है।

उमर खय्याम का विश्व साहित्य में सबसे प्रसिद्ध रूप एक रुबाईकार (Rub□□□) कवि का है। यद्यपि अपने जीवनकाल में वे गणितज्ञ और खगोल-शास्त्री के रूप में अधिक प्रसिद्ध थे, परन्तु बाद की शताब्दियों में उनकी रुबाइयों ने उन्हें अमर कर दिया।

रुबाई क्या है?

रुबाई फ़ारसी कविता का एक छंद है, जिसमें चार पंक्तियाँ होती हैं। उनकी कविताएँ जीवन की नश्वरता, वर्तमान का आनंद लेने और ईश्वरीय व्यवस्था पर गहरे प्रश्नों को दर्शाती हैं ।

उमर खय्याम को रुबाई विधा के महानतम कवियों में गिना जाता है।

1. 'रुबाइयात-ए-उमर खय्याम'

उनकी रुबाइयों का संग्रह के नाम से प्रसिद्ध है। इसमें जीवन, मृत्यु, भाग्य, समय, प्रेम और अस्तित्व जैसे विषयों पर चिंतन मिलता है।

उनकी रुबाइयाँ संक्षिप्त होते हुए भी गहरे दार्शनिक अर्थ रखती हैं। प्रत्येक रुबाई कुछ पंक्तियों में बड़े प्रश्न खड़े कर देती हैं।

2. खय्याम की कविता का प्रमुख विषय है—

जीवन क्षणभंगुर है, समय निरंतर बीत रहा है, इसलिए वर्तमान क्षण का महत्व समझो।

वे मनुष्य को जीवन की अस्थिरता का बोध कराते हैं और समय के मूल्य पर विचार करने के लिए प्रेरित करते हैं।

3. भाग्य और नियति पर प्रश्न

उनकी अनेक रुबाइयों में भाग्य, स्वतंत्र इच्छा और ईश्वर की योजना से जुड़े प्रश्न मिलते हैं।

मनुष्य कितना स्वतंत्र है?

क्या सब कुछ पूर्व निर्धारित है?

जीवन का उद्देश्य क्या है?

इन प्रश्नों ने उनकी कविता को दार्शनिक गहराई प्रदान की।

4. सरल भाषा में गहन दर्शन

उमर खय्याम की विशेषता यह है कि उन्होंने कठिन दार्शनिक विषयों को सरल और प्रभावशाली काव्य-भाषा में व्यक्त किया।

उनकी रुबाइयाँ विद्वानों और सामान्य पाठकों, दोनों को आकर्षित करती हैं।

उनमें चिंतन, व्यंग्य और संवेदना का सुंदर मिश्रण मिलता है।

5. विश्वव्यापी प्रसिद्धि

19वीं शताब्दी में Edward FitzGerald ने उनकी रुबाइयों का अंग्रेज़ी अनुवाद किया।इस अनुवाद के बाद उमर खय्याम की ख्याति यूरोप और अमेरिका तक फैल गई। उनकी रुबाइयाँ अनेक भाषाओं में अनूदित हुईं और विश्व साहित्य की धरोहर बन गईं।

साहित्यिक महत्व

उमर खय्याम की रुबाइयाँ केवल कविता नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन का संक्षिप्त और प्रभावशाली रूप हैं। उन्होंने रुबाई को ऐसी ऊँचाई दी कि आज भी उनका नाम लेते ही रुबाई का स्मरण हो जाता है।

संक्षेप में: रुबाईकार कवि के रूप में उमर खय्याम का सबसे बड़ा योगदान यह है कि उन्होंने चार पंक्तियों की छोटी-सी कविता में जीवन, मृत्यु, प्रेम, समय और नियति जैसे गहन दार्शनिक विषयों को अद्भुत कलात्मकता के साथ व्यक्त किया, जिससे वे विश्व साहित्य के अमर कवियों में शामिल हो गए। पश्चिमी दुनिया में वे मुख्यतः एडवर्ड फिजराल्ड द्वारा अनूदित (1859) उनके काव्य संग्रह 'रुबाईयात' के लिए प्रसिद्ध हैं । यह अनुवाद मौलिक फारसी पाठ का अत्यधिक स्वच्छंद रूपांतरण था, न कि शाब्दिक अनुवाद । उनकी "एक जग शराब, रोटी का टुकड़ा - और तुम" जैसी पंक्तियाँ अत्यधिक प्रसिद्ध हुईं ।

-फ़ज़लुर्रहमान
सहायक सचिव सेवा निवृत्त

डॉ. मुख्तार अहमद अंसारी: वो स्वतंत्रता सेनानी जिन्होंने राष्ट्रवादी संस्थाओं का निर्माण किया

ऐसे समय में जब स्वतंत्रता सेनानियों को अक्सर नाटकीय गिरफ्तारियों या जोशीले भाषणों के लिए याद किया जाता है, डॉ. मुख्तार अहमद अंसारी भारत के राष्ट्र निर्माण, नैतिक साहस, समावेशी राष्ट्रवाद और शैक्षिक सुधारों पर आधारित संस्था निर्माण में अपने शांत लेकिन कहीं अधिक स्थायी योगदान के लिए जाने जाते हैं। पेशे से चिकित्सक, दृढ़ विश्वास से स्वतंत्रता सेनानी और स्वभाव से राष्ट्रवादी, डॉ. अंसारी उन नेताओं में से थे जो मानते थे कि शिक्षित, सामाजिक रूप से जागरूक नागरिकों के बिना भारत की स्वतंत्रता खोखली रहेगी। 1880 में गाजीपुर के यूसुफपुर में जन्मे डॉ. अंसारी भारतीय मुसलमानों की उस पीढ़ी से थे, जिन्हें अपनी धार्मिक पहचान और एक एकजुट, स्वतंत्र भारत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में कोई विरोधाभास नहीं दिखता था। इंग्लैंड में डॉक्टर की शिक्षा प्राप्त करने के बाद, वे विदेश में एक समृद्ध पेशेवर जीवन बिता सकते थे। इसके बजाय, उन्होंने औपनिवेशिक भारत लौटने का विकल्प चुना, ऐसे समय में जब स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ने का मतलब निगरानी, वित्तीय अनिश्चितता और सामाजिक जोखिम था। यह चुनाव ही उनकी पहली बड़ी उपलब्धि थी, राष्ट्रीय कर्तव्य के लिए व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं का सचेत रूप से त्याग करना। डॉ. अंसारी जल्द ही महात्मा गांधी के विश्वसनीय सहयोगी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एक प्रमुख नेता के रूप में उभरे। उन्होंने असहयोग आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया और भारतीयों को ब्रिटिश संस्थानों का बहिष्कार करने और स्वदेशी विकल्प बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उनके लिए राजनीतिक प्रतिरोध नैतिक अनुशासन से अविभाज्य था।

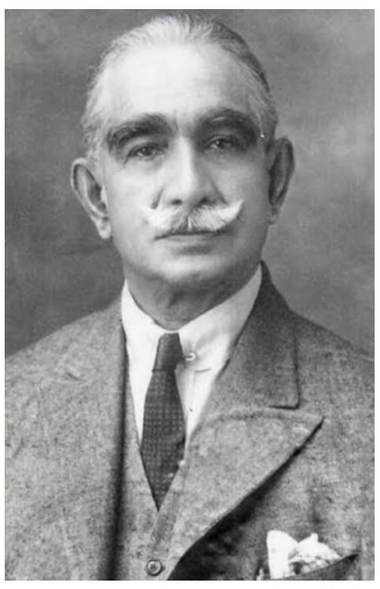

उनका मानना था कि स्वतंत्रता केवल विरोध के माध्यम से नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, त्याग और नैतिक सार्वजनिक जीवन के माध्यम से अर्जित की जा सकती है। डॉ. अंसारी की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक 1920 में स्थापित जामिया मिलिया इस्लामिया के संस्थापक और मार्गदर्शक के रूप में उनकी भूमिका थी। जामिया केवल एक और विश्वविद्यालय नहीं था; यह राष्ट्रीय शिक्षा का एक साहसिक प्रयोग था, जिसकी कल्पना भारतीय मानसिकता पर औपनिवेशिक नियंत्रण के सीधे विरोध में की गई थी। हकीम अजमल खान, मौलाना मोहम्मद अली जौहर और डॉ. जाकिर हुसैन जैसे दूरदर्शी लोगों के साथ, डॉ. अंसारी ने जामिया को एक ऐसे संस्थान के रूप में आकार देने में मदद की जो आधुनिक ज्ञान को भारतीय मूल्यों, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्रीय चेतना के साथ एकीकृत करेगा। अपने प्रारंभिक वर्षों में जब जामिया को गंभीर वित्तीय और प्रशासनिक संकटों का सामना करना पड़ा, तब कुलाधिपति (शेख-उल-जामिया) के रूप में डॉ. अंसारी के नेतृत्व ने ही संस्था को जीवित रखा। उन्होंने संसाधनों को जुटाया, विश्वास जगाया और जामिया को राजनीतिक दबावों से बचाया। आज, अकादमिक उत्कृष्टता और सामाजिक जुड़ाव के लिए प्रसिद्ध एक केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में, जामिया मिलिया इस्लामिया संभवतः डॉ. अंसारी की सबसे बड़ी जीवित धरोहर है।

उनके सार्वजनिक जीवन की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि 1927 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में सेवा करना (मद्रास अधिवेशन) थी। ऐसे समय में जब सांप्रदायिक तनाव बढ़ रहा था और औपनिवेशिक रणनीतियाँ भारतीयों को धार्मिक आधार पर विभाजित करने का प्रयास कर रही थीं, डॉ. अंसारी ने लगातार हिंदू-मुस्लिम एकता की वकालत एक राजनीतिक और नैतिक आवश्यकता के रूप में की। डॉ. अंसारी का निधन 1936 में हुआ, भारत की स्वतंत्रता से एक दशक से भी अधिक समय पहले। फिर भी, स्वतंत्रता के क्षण में उनकी अनुपस्थिति उस स्वतंत्रता को सार्थक बनाने में उनकी भूमिका को कम नहीं करती। उनके जैसे नेताओं ने बौद्धिक और नैतिक नींव रखी जिस पर स्वतंत्र भारत का निर्माण हुआ। डॉ. मुख्तार अहमद अंसारी को याद करते हुए, हमें याद दिलाया जाता है कि सच्ची देशभक्ति हमेशा नारे नहीं लगाती। कभी-कभी, यह सिखाती है, निर्माण करती है, घावों को भरती है और एकजुट करती है।

अजीम प्रेमजी की जीवनी: एक प्रेरणादायक सफर जो संघर्ष, सफलता और परोपकार को दर्शाती है

अजीम हाशिम प्रेमजी का जन्म 24 जुलाई 1945 को मुंबई, महाराष्ट्र में हुआ था। उनके पिता मोहम्मद प्रेमजी एक चावल कारोबारी थे, जो मूल रूप से म्यांमार (तब बर्मा) में व्यापार करते थे। 1940 के दशक में वे भारत आए और यहीं बस गए। विभाजन के बाद भी अजीम प्रेमजी भारत में ही रहे।

शुरुआती जीवन और शिक्षा

अजीम प्रेमजी ने अपनी शुरुआती शिक्षा मुंबई से पूरी की। वे महाराष्ट्र के अच्छे स्कूलों में पढ़े और बाद में अमेरिका गए, जहां पर उन्होंने ब्राउन यूनिवर्सिटी से केमिकल इंजीनियरिंग में डिग्री प्राप्त की। शिक्षा के बाद वे भारत वापस आए और अपने पिता की कंपनी में काम करने शुरू किए। 1966 में, अजीम प्रेमजी की उम्र मात्र 21 वर्ष थी जब उनके पिता मोहम्मद प्रेमजी की मृत्यु हुई। यह अजीम प्रेमजी के लिए दुख का समय था, लेकिन उन्होंने न केवल अपने पिता की कंपनी को नुकसान के समय संभाला, बल्कि उसे दुनिया के सामने बड़ी पहचान भी दिलाई । उनके पिता की कंपनी विप्रो (विप्रेस प्रोडक्ट्स लिमिटेड) थी, जो शुरू में चावल और तेल के उत्पादों के लिए जानी जाती थी।

विप्रो का विकास और आईटी उद्योग में कदम

अजीम प्रेमजी ने विप्रो को एक छोटे चावल व्यवसाय से एक वैश्विक आईटी कंपनी बनाने का सफर शुरू किया। 1980 में, जब आईबीएम को भारत से बाहर कर दिया गया, तब प्रेमजी ने आईटी और सॉफ्टवेयर सेवाओं में कदम रखने का निर्णय लिया। यह अजीम प्रेमजी की सबसे बड़ी उपलब्धि थी—विप्रो को आईटी उद्योग में स्थापित करना। आज विप्रो देश की तीसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी

है और देश की दिग्गज आईटी कंपनियों में शुमार है। अजीम प्रेमजी को भारतीय आईटी उद्योग का बादशाह भी कहा जाता है। उनकी कंपनी आज भारत की सबसे बड़ी आई टी कंपनियों में से एक है।

परोपकार और अजीम प्रेमजी फाउंडेशन

अजीम प्रेमजी न केवल एक सफल उद्यमी हैं, लेकिन एक उत्कृष्ट परोपकारी के रूप में भी जाने जाता है। 2001 में उन्होंने अजीम प्रेमजी फाउंडेशन की स्थापना की, जिसका उद्देश्य भारत के ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाना है। इस फाउंडेशन के तहत प्रेमजी ने अपनी निजी धनराशि का बड़ा हिस्सा शिक्षा क्षेत्र में दिया। 2013 में, उन्होंने The Giving Pledge पर हस्ताक्षर करके अपने धन का कम से कम आधा हिस्सा दान देने का संकल्प लिया। प्रेमजी ने $2.2 बिलियन (लगभग 18,000 करोड़ रुपये) का दान अजीम प्रेमजी फाउंडेशन को दिया, जो शिक्षा पर केंद्रित है। एडलगिव हुरुन इंडिया फिलैन्थ्रॉपी लिस्ट 2022 के मुताबिक, अजीम प्रेमजी ने वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 484 करोड़ रुपये का दान दिया। वे विप्रो के संस्थापक और भारत के सबसे बड़े परोपकारी उद्योगपतियों में शामिल हैं।

सफलता की कहानी

अजीम प्रेमजी की सफलता की कहानी किसी प्रेरणा से कम नहीं है। उन्होंने पिता की मौत से टूटकर भी कंपनी को नुकसान के समय से संभाला और उसे वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने की कहानी को दर्शाता हैं। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के तहत प्रेमजी ने ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए बड़ा काम किया है। इस फाउंडेशन ने भारत के शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं और हजारों बच्चों की शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार किया है। अजीम प्रेमजी की जीवनी एक प्रेरणादायक कहानी है, जो संघर्ष, सफलता और परोपकार को दर्शाती है। उन्होंने एक छोटे चावल व्यवसाय से एक वैश्विक आईटी कंपनी बनाने का सफर शुरू किया और अपने पिता की मृत्यु के बाद कंपनी को नुकसान के समय से संभाला। अजीम प्रेमजी न केवल एक सफल उद्यमी हैं, लेकिन एक उत्कृष्ट परोपकारी के रूप में भी जाने जाते है। उनकी जीवनी उन लोगों के लिए प्रेरणा है जो व्यवसाय, परोपकार, और सफलता की प्रेरणादायक कहानियों में रुचि रखते हैं। अजीम प्रेमजी ने सिर्फ पैसा ही नहीं कमाया, बल्कि दिल खोलकर दान भी किया है और भारत के शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

ब्रीफ खबरें

खैराबाद सूफी संत हजरत मीठे महावली का उर्स मुबारक 17 जून से

डॉ. तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। खैराबाद सूफी संत हजरत मीठे महावली सरकार के 731वें सालाना उर्स की तैयारियां तेज हो गई हैं। इस के मुबारक मौके पर खादिम कमेटी सदस्यों की ओर से उर्स के कार्यक्रमों का आधिकारिक पम्फलेट जारी किया गया।

इस फोल्डर में उर्स के दौरान आयोजित होने वाले धार्मिक और सूफियाना कार्यक्रमों का पूरा विवरण दिया गया है। खादिम कमेटी के प्रवक्ता सैयद महफूज अली ने जानकारी देते हुए बताया कि हर साल की तरह इस बार भी उर्स पूरी अकीदत और एहतराम के साथ मनाया जाएगा। उन्होंने कार्यक्रमों की रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि आगामी 17 जून को महफिल-ए-मिलाद का आयोजन किया जाएगा। जिसमें देश के जाने-माने उलेमा और नातख्वां शिरकत करेंगे। इसके बाद उर्स के मुख्य आकर्षण के रूप में 18 और 19 जून को सूफियाना कव्वाली के कार्यक्रमों का उर्स मुबारक आयोजन होगा। इन दो दिनों में देश के मशहूर कव्वाल अपनी रूहानी प्रस्तुतियों से जायरीन को मंत्रमुग्ध करेंगे। कमेटी के सदस्यों ने बताया कि उर्स में आने वाले अकीदतमंदों (जायरीनों) की सुविधा, सुरक्षा और सहूलियत के लिए सभी जरूरी इंतजाम पूरे किए जा रहे हैं। फोल्डर विमोचन के अवसर पर खादिम कमेटी के तमाम पदाधिकारी और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अंता विधायक प्रमोद जैन भाया ने पूर्व अंजुमन सदर अब्दुल शकूर चिश्ती की पत्नी के निधन पर दुःख व्यक्त किया

बारां (रॉयल पत्रिका)। पूर्व शहर वक्फ कमेटी चेयरमैन ओर अंजुमन इस्लामियां के पूर्व सदर अब्दुल शकूर चिश्ती की पत्नी के निधन के पश्चात दुःख की घड़ी में उन्हें सांत्वना देने परिचित लगातार उनके घर पहुंच रहे है। पूर्व विधायक पानाचंद मेघवाल, पूर्व जिला प्रमुख भरत मारन, अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य डॉ. मजीद मलिक कमांडो, कांग्रेस संगठन महामंत्री कैलाश जैन सहित कई लोगों ने उनके आवास पर पहुंच कर ढाढस बंधाया। शनिवार को पूर्व मंत्री ओर अंता विधायक प्रमोद जैन भाया अब्दुल शकूर चिश्ती के मेला ग्राउंड स्थित आवास पर पहुंचे। जहां पर उन्होंने उनकी पत्नी के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया ओर परिवार को हिम्मत से काम लेने की गुजारिश की। उन्होंने परिवार के छोटे बच्चों सहित अब्दुल शकूर चिश्ती के बेटे कलाम स्टोन, अनस चिश्ती पोते तैमूर चिश्ती से बातचीत की। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव हाजी अब्दुल गनी, पूर्व उपाध्यक्ष जाकिर मंसूरी, अशरफ देशवाली, पूर्व जिलाध्यक्ष शाहिद कुंडी, पूर्व पार्षद अखलाक अंसारी सहित कई लोग मौजूद रहे।

हज के सफर से लौटने पर डॉ. मन्नान का किया स्वागत

कोटा (रॉयल पत्रिका)। डॉ. मन्नान खान प्रदेश अध्यक्ष कार्यकारी राजस्थान पेन्शनर्स मंच का हज के उपरान्त अपने वतन मे आने पर जोरदार स्वागत व सत्कार किया गया। हज के मुकददस सफर की समाप्ति पर एयरपोर्ट जयपुर पर राजस्थान वक्फ बोर्ड के चेयरमैन डॉ. खानू खान बुधवाली एवं उनके साथ आये कई मुअज्जिज लोगो, जयपुर राजस्थान पेन्शनर्स के प्रदाधिकारियो द्वारा इस्तकबाल किया गया। कोटा पहुंचने पर प्रोफेसर अब्दुल वहीद, डिप्टी डाइरेक्टर अब्दुल रहमान, डॉ खालीद प्रदेश अतिरिक्त महा सचिव राजस्थान पेन्शनर्स किसान नेता सरफराज अहमद एवं कई सेवारत एवं पेन्शनर्स साथियो के साथ निकटतम रिश्तेदारो द्वारा हार्दिक बधाई के साथ मूंह मीठा करवाकर माल्यार्पण के साथ बधाई ओर शुभकामनाएं अर्पित की गयी।

पुरुषोत्तम मास में महाराजा अग्रसेन सेवा समिति ने वृद्धजनों की सेवा की

बारां (रॉयल पत्रिका)। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर महाराजा अग्रसेन सेवा समिति द्वारा वृद्धजनों के सम्मान एवं सेवा का सराहनीय कार्य किया गया। समिति की संरक्षिका मंजू गर्ग ने बताया कि पुरुषोत्तम मास का विशेष धार्मिक महत्व है तथा इस माह में किए गए दान, सेवा और पुण्य कार्यों का अनेक गुना फल प्राप्त होता है। समिति अध्यक्ष रिंकी बंसल एवं मंत्री पूजा गोयनका ने जानकारी देते हुए बताया कि समिति की ओर से कलमंडा गाँव में स्थित वृद्धाश्रम में 33 जोड़ी चप्पल तथा साड़ियों का वितरण किया गया इसमें समिति की नीलिमा बंसल का भी विशेष सहयोग रहा। उनका जन्मदिन भी सबके साथ मनाया गया। इसके साथ ही वृद्धजनों को भोजन कराकर उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की गई। वृद्धाश्रम के सभी वरिष्ठजनों ने प्रेमपूर्वक भोजन ग्रहण किया तथा समिति के सदस्यों को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। महाराजा अग्रसेन सेवा समिति ग्रुप हमेशा समाजिक कार्य एवं जरूरतमंदों की मदद के लिए हमेशा तैयार रहता हैं। समिति के इस सेवा कार्य की सभी ने सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बताया। इस अवसर पर समिति की अंजना गोयल, मनीषा गोयल, खुशबू अग्रवाल, सविता गर्ग, ज्योति गोयल, आशा बंसल, नीलिमा, स्नेहा गुप्ता, ज्योति मित्तल, ज्योति जैन, शीला गोयल, सुरभि बंसल आदि सदस्यों ने अपना योगदान दिया।

मुख्यमंत्री ने उच्च स्तरीय बैठक में की सेवा शिविरों की समीक्षा

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक उच्च स्तरीय बैठक में शहरी एवं ग्रामीण सेवा शिविरों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को शिविरों के प्रभावी निरीक्षण, कार्मिकों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने और योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुंचाने के सख्त निर्देश दिए हैं। सीएम ने शिविरों के माध्यम से अधिकतम लोगों को सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करने पर जोर दिया है। उन्होंने जिला कलेक्टरों और संबंधित विभागों को शिविरों का लगातार निरीक्षण करने और प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि कोई भी लाभार्थी शिविर का लाभ उठाने से वंचित ना रहे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि मौके पर ही समस्याओं का समाधान कर नागरिकों को अधिकतम राहत प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि आमजन के हित में लगाए जा रहे शिविरों में किसी तरह की कोताही नहीं बरती जाए तथा सम्बंधित अधिकारियों व कार्मिकों की शिविर समय पर

उपस्थिति सुनिश्चित हो। आवासीय भूमि के पट्टों का वितरण भी शिविरों में ही किया जाए। मुख्यमंत्री ने आगामी 21 जून को होने वाली नीट परीक्षा आयोजन की तैयारियों, सुरक्षा उपायों तथा विद्यार्थियों की सुविधाओं को लेकर भी आवश्यक दिशानिर्देश प्रदान किए।

बारां जिले के सम्बंध में भी ली जानकारी-

मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान जिला कलक्टर से बारां जिले में शिविरों के आयोजन व समस्याओं को लेकर भी जानकारी ली। जिला कलक्टर बाल मुकुंद असावा ने शिविरों के आयोजन की स्थिति व समस्या समाधान के लिए किए जा रहे कार्यों के बारे में अवगत कराया। वीसी में जिला पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु, एडीएम भंवरलाल जनागल, उपवन संरक्षक बड़े विवेकानन्द माणिकराव सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

15 जुलाई तक लगेंगे शिविर-

ग्रामीण और शहरी सेवा शिविर 12 जून से 15 जुलाई 2026 तक आयोजित किए जा रहे हैं। शिविरों में राजस्व, पंचायत, स्वास्थ्य, और ऊर्जा सहित 22 विभागों से सम्बंधित कार्य किए जा रहे हैं। जिनमें जाति, मूलनिवास प्रमाण पत्र, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, आयुष्मान कार्ड और बिजली-पानी से जुड़ी समस्याओं का निवारण किया जा रहा है।

अंजुमन सदर मन्नू पठान बने कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश महासचिव

-बड़ी जिम्मेदारी मिलने से समर्थकों और कांग्रेस पदाधिकारियों में खुशी की लहर

बारां (रॉयल पत्रिका)। कुछ समय पहले अंजुमन इस्लामियां के सदर निर्वाचित हुए मोहम्मद शाहिद मन्नू पठान को प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग का प्रदेश महासचिव बनाया गया है। प्रदेश अध्यक्ष एम डी चोपदार द्वारा कार्यकारणी के विस्तार में मन्नू पठान को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। मन्नू पठान वर्तमान में अंजुमन इस्लामियां के सदर, जिले की सबसे बड़ी ट्रक यूनियन दी पब्लिक कैरियर ट्रक ऑनर्स संस्थान के जनरल सेकेट्री ओर पठान वेलफेयर सोसाइटी के सेकेट्री पदों पर पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य कर रहे हैं। नई जिम्मेदारी मिलने पर मन्नू पठान ने कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेशाध्यक्ष एम डी चोपदार, पूर्व मंत्री अंता विधायक प्रमोद जैन भाया, पूर्व विधायक पानाचंद मेघवाल का आभार प्रकट किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जो जिम्मेदारी मुझे सौंपी है उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा ओर कांग्रेस पार्टी से जुड़े सभी लोगों को साथ लेकर चलूंगा ताकि पार्टी मजबूत हो सके। पठान को नई जिम्मेदारी मिलने पर वरिष्ठ नेता

हाजी वहीद बर्तन वाले, अजीम पठान कवाई, पूर्व ईदगाह सदर साजिद खान लजीज, पूर्व कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष जाकिर मंसूरी, मोहम्मद इलियास पठान, अकील पठान, रईस खान बर्तन वाले, निवर्तमान पार्षद जाकिर खान, परवेज खान, जुगनू पठान, राजू खान बर्तन वाले, मास्टर अलीम पठान, रिंकू सूरमा, ताहिर शेख, राजा पठान, जुबेर पठान, आकिब पठान, बंटी मंसूरी, अशफाक ठेकेदार, अख्तर अंसारी केश कटपीस, मुबारिक कारपेंटर, अफराज देशवाली, जाकिर खिलजी सहित कई लोगों ने मुबारकबाद देकर खुशी जाहिर की।

मन्नू पठान ने प्रदेश महासचिव बनने पर जताया पूर्व विधायक पानाचंद मेघवाल का आभार

बारां (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग द्वारा हाल ही में कार्यकारणी विस्तार में बारां शहर के युवा व्यवसाई ओर अंजुमन सदर मन्नू पठान को प्रदेश महासचिव बनाया गया है। उनकी नियुक्ति से जिले भर में उनके शुभचिंतकों ओर समर्थकों में जश्न का माहौल है। रविवार को मन्नू पठान अपने समर्थकों के साथ पूर्व विधायक पानाचंद मेघवाल के आवास पर पहुंचे ओर इस नियुक्ति में पूर्व विधायक के योगदान के लिए उनका आभार प्रकट किया। उपस्थित लोगों ने पूर्व विधायक पानाचंद मेघवाल का पगड़ी ओर माला पहनाकर मुंह मीठा करवाकर स्वागत कर इस नियुक्ति के लिए शुक्रिया

अदा किया। ओर पार्टी के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने की बात कही। इस दौरान पठान वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष मोहम्मद इलियास पठान, कोषाध्यक्ष साजिद खान लजीज, रईस खान बर्तन वाले, बंटी मंसूरी, निवर्तमान पार्षद जाकिर खान, परवेज खान, जुगनू पठान, हसन खान प्रॉपर्टी, राजू खान बर्तन वाले, अकील पठान, आशु हाफिज, डेनी खान फर्नीचर, मतीन खान, सलीम भाई सीट वाले, विक्रम बना, रफीक अंसारी कारीगर सहित कई लोग मौजूद रहे।

भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुँचे डॉ. अरमान मलिक, प्रदेश नेतृत्व का जताया आभार

जयपुर/किशनगंज (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा राजस्थान के नवनियुक्त प्रदेश मंत्री डॉ. अरमान मलिक जयपुर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुँचे, जहाँ उन्होंने अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष हमीद खां मेवाती से शिष्टाचार भेंट कर प्रदेश मंत्री का दायित्व सौंपे जाने पर प्रदेश नेतृत्व के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा राजस्थान के प्रदेश उपाध्यक्ष आफताब चौधरी भी उपस्थित रहे। मुलाकात के दौरान संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, जनसेवा के कार्यों को गति देने तथा भाजपा की जनकल्याणकारी नीतियों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। डॉ. अरमान मलिक ने कहा कि पार्टी नेतृत्व द्वारा उन पर जताया गया विश्वास उनके लिए सम्मान के साथ-साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे पूरी निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी के साथ संगठन को मजबूत करने तथा समाज के बीच पार्टी की विचारधारा और जनहितकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से पहुँचाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे।

दरगाह बाबा पठान साहब का सालाना 11वाँ उर्स संपन्न

-मशहूर कव्वाल चिश्ती ब्रदर्स के बेहतरीन कलाम से देर रात तक डटे रहे लोग

बारां (रॉयल पत्रिका)। शनिवार को दरगाह बाबा पठान साहब कमेटी द्वारा ग्यारहवें उर्स के मौके पर मिलाद शरीफ, चादर पेशी, कव्वाली, कुल की रस्म ओर लंगर तकसीम के साथ उर्स का समापन हुआ। दरगाह कमेटी के सदर शेरू खान प्रॉपर्टी वाले व उर्स कमेटी के सलाम बाबा ने बताया कि शनिवार 13 जून बरोज शनिवार को बाबा मरदान ग़ैब साहब की दरगाह से चादर लेकर रवाना हुए जो विभिन्न रास्तों से होते हुए दरगाह बाबा पठान साहब पर पहुंचे, अकीदतमंदों ने दरगाह पठान साहब पर चादर पेश की। पूर्व सदर मोहम्मद जफर ओर एडवोकेट फिरोज खान ने बताया कि शनिवार को बाद नमाज ईशा कव्वाली प्रोग्राम शुरू हुआ जिसमें मशहूर कव्वाल शाहिद साबरी दिल्ली ने अपना कलाम पेश किया साबरी ने बाबा पठान साहब की शान में अपना सूफियाना कलाम पेश किया। सेकेट्री जुगनू भाई ओर खजांची जाहिद हुसैन ने बताया कि इसके बाद हिंदुस्तान के मशहूर कव्वाल चिश्ती ब्रदर्स ने देर रात कव्वाली के अपने अंदाज ए बयां से ऐसा समां बांधा कि सुबह फज्र के पहले तक लोग उन्हें सुनने डटे रहे। प्रोग्राम में अकीदतमंद दरगाह में जियारत के लिए पहुंचे जहां दरगाह के गद्दीनशींन मोईन बाबा ने लोगो को जियारत करवाई। प्रोग्राम में लंगर का एहतमाम किया गया जो देर रात तक चला आने वाले लोगों ने लंगर में खाना खाया। कव्वाली शुरू होने से पहले मेहमानों का इस्तकबाल किया गया। जिनमें जिला वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन इरफान अंसारी, आशिक अली बाबा, पूर्व सदर एडवोकेट फिरोज खान, मोहम्मद जफर, अन्नू बाबा, जगदीश मीणा खेड़ली, सलाम बाबा, समाजसेवी परवेज मंसूरी शाहाबाद, राजा फर्नीचर, शोएब अख्तर सहित कई मेहमानों का इस्तकबाल किया गया। इस दौरान समाजसेवी इकबाल रीगल, खलील खान आईटीआई, निसार (दुल्हा भाई), गोलू पठान कोटा, नदीम बाबा उदयपुर, बबलू शाह लिसाडिया, नासिर ठेकेदार सहित कई लोग मौजूद रहे।

राईन समाज का इज्तेमाई निकाह सम्मेलन 14 नवम्बर को

-पोस्टर का विमोचन हुआ

कोटा (रॉयल पत्रिका)। जमीयतुल राईन विकास समिति, कोटा की जानिब से आगामी 14 नवंबर, 2026 (शनिवार) को इज्तेमाई निकाह कंचन रिज़ॉर्ट, बोरखेड़ा में आयोजित किया जाएगा। संस्था के सदर शकील अहमद उर्फ मुन्ना राईन ने बताया कि इसमें दूल्हा दुल्हन की ओर से सिर्फ पांच-पांच हज़ार रुपए रजिस्ट्रेशन फीस के रूप में लिए जा रहे है। समिति की औऱ से दूल्हा दुल्हन को गृहस्थी के सभी आवश्यक सामान तोहफे में दिये जायेंगे। इसके अतिरिक्त सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से 21,000/- की निर्धारित राशि भी दिलवाई जाएगी। संस्था के सरपरस्त हाजी मोहम्मद युनूस राईन की ओर से लॉटरी द्वारा चयनित एक खुशनसीब जोड़े को उमराह की पवित्र यात्रा के निःशुल्क पैकेज भी दिया जाएगा।

संस्था के सचिव जुल्फीकार उर्फ जोनी राईन ने बताया कि समाज में व्याप्त कुरीतियों और फिजूलखर्ची को रोकने के लिए

इस तरह का आयोजन किया जा रहा हैं जिसमें समाज के सभी गरीब अमीर वर्ग के व्यक्ति एक जगह पर बैठकर अपने कार्यक्रम का आयोजन करेंगे। निकाह के उपरांत समाज के लिये स्नेह भोज का आयोजन भी किया जाएगा। यह कार्यक्रम केवल राईन समाज के सदस्यों हेतु ही आयोजित होगा। इसका पंजीकरण 15 जून, 2026 से प्रारंभ होगा तथा 20 जोड़े पूर्ण होने पर बंद कर दिया जाएगा।

पोस्टर विमोचन के इस मौके पर संस्था के संरक्षक हाजी मोहम्मद यूनुस, अध्यक्ष शकील अहमद मुन्ना राईन, सचिव जुल्फिकार हुसैन उर्फ जोनी राईन, कोषाध्यक्ष जाकिर हुसैन राईन, उपाध्यक्ष मुजफ्फर राईन सहित, पूर्व सदर मुस्तेहसन राईन, अब्दुल मतीन राईन, मोहम्मद यूसुफ राईन, मोहमंद हफ़ीज़ राईन, शाहरुख राईन, आदिल राईन, मो० रफ़ीक़ राईन, मुख्तार राईन, गुलरेज राईन, मो० यासिर राईन सहित संस्था के सभी पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

ईदगाह सदर के चुनाव में नूरुद्दीन अंसारी 20 वोटों से जीत दर्ज कर सदर निर्वाचित

शब्बीर हुसैन

अंता (रॉयल पत्रिका)। मुस्लिम समाज अंता की सबसे बड़ी तंजीम ईदगाह कमेटी के सदर पद के चुनाव में रविवार को बेहद रोचक और कांटे का मुकाबला देखने को मिला। पूर्व ईदगाह सदर नूरुद्दीन अंसारी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एवं पूर्व सदर हाजी रसूल मोहम्मद अंसारी को मात्र 20 मतों से पराजित कर दूसरी बार ईदगाह कमेटी के सदर पद पर निर्वाचित हुए। जमात खाना अंता में प्रातः 8 बजे से शाम 5 बजे तक शांतिपूर्ण मतदान संपन्न हुआ। चुनाव संचालन समिति के अनुसार कुल 1249 मतदाताओं में से 1099 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के बाद हुई मतगणना में नूरुद्दीन अंसारी को 556 मत प्राप्त हुए, जबकि हाजी रसूल मोहम्मद अंसारी को 536 मत मिले। 7 मत निरस्त पाए गए। इस प्रकार नूरुद्दीन अंसारी बेहद करीबी मुकाबले में 20 मतों के अंतर से जीत दर्ज कर दूसरी बार ईदगाह कमेटी के सदर बने। परिणाम घोषित होते ही समर्थकों में खुशी की लहर

दौड़ गई उन्होंने आतिशबाजी कर जीत का जश्न मनाया गया, लड्डू वितरित किए गए तथा नव निर्वाचित सदर का फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर हाजी शब्बीर पठान, पूर्व चेयरमैन मुस्तुफा खान, मोहम्मद हनीफ अन्नू बाबा, मोहम्मद इकबाल मल्लू भाई, पूर्व पार्षद आबिद अंसारी, मकसूद खान, शेरू खान, आरिफ शेख, एनुल खान, शाहिद अंसारी बाबा, मोहम्मद इरफान कालू, अजीज मंसूरी, अब्दुल कलाम, दानिश खान, निसार अंसारी, परवेज नूरी, मोईनुद्दीन, नईम अंसारी, रिंकू, शकील सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे। दूसरी ओर चुनाव को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने में चुनाव संचालन समिति के संरक्षक शहर काजी जमील मोहम्मद, अध्यक्ष अब्दुल मजीद अंसारी तथा समिति के सदस्यों जावेद रईस, हाजी अब्दुल कय्यूम खान, अशफाक खान गुड्डू, इरफान खान राजू, अख्तर हुसैन, अब्दुल मुत्तलिब खान, जाहिद हुसैन अंसारी, यूसुफ बरकाती एवं जावेद बरकाती की महत्वपूर्ण भूमिका रही। नव निर्वाचित ईदगाह सदर नूरुद्दीन अंसारी ने अपनी जीत को पूरे मुस्लिम समाज की जीत बताते हुए सभी मतदाताओं, बुजुर्गों और युवा साथियों का आभार व्यक्त किया।

राज्यसभा सांसद नीरज डांगी का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बाजार मंडल क्षेत्र ने पदाधिकारियों नव निर्वाचित राज्य सभा सांसद नीरज डांगी से जयपुर स्थित निवास पर मुलाकात, लगातार दूसरी बार राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होने पर राजस्थानी परम्परा अनुसार साफा व माल्यार्पण कर स्वागत किया व उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर पाली विधायक भीमराज भाटी, पाली शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बाजार मंडल अध्यक्ष शकील अहमद नागौरी, मुख्य संगठन महासचिव मोहम्मद यूसुफ मोयल, संयुक्त सचिव अकरम अली अजमेरी, सलीम राज, आसिफ पठान, प्रकाश लील, राजू प्रजापत इत्यादि बाजार मंडल श्रेत्र के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मारवाड़ मुस्लिम एज्यूकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी के आजीवन सदस्यों ने उपकलेक्टर एवं एन्टीकरप्शन एडीशनल एसपी को दिया ज्ञापन

-केंद्र सरकार को घूस देने वाले वीडियो पर आपत्ति जताते हुए तथाकथित कोषाध्यक्ष नौशाद खान के खिलाफ शीघ्र कार्यवाही की मांग

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। मारवाड़ मुस्लिम एज्यूकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी की ओर से हाल ही में आयोजित मीटिंग में दिए गए बयान को लेकर मारवाड़ मुस्लिम एज्यूकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी के आजीवन सदस्यों ने उप कलेक्टर जवाहर चौधरी एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एन्टी करप्शन) के एडीशनल एसपी ओमप्रकाश चौधरी को ज्ञापन देकर कड़ी आपत्ति जताते हुए केन्द्र सरकार के अधिकारियों को घूस देने वाला बयान देने वाले तथाकथित कोषाध्यक्ष नौशाद खान के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने का ज्ञापन सौंपा। मौलाना आजाद विश्वविद्यालय के चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक ने बताया कि गत 17 मई 2026 को मारवाड़ मुस्लिम एज्यूकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी के परिसर में जो मीटिंग आयोजित हुई। उस मीटिंग में मंच के माध्यम से गवर्निंग कौंसिल, लाईफ मेम्बर व आमजन के बीच खुलकर केन्द्र सरकार के अधिकारियों को इंस्पेक्शन कराने के लिए लाखों रूपये की रिश्वत देने व भ्रष्टाचार करने का बयान तथाकथित कोषाध्यक्ष नौशाद खान की ओर से दिया गया। नौशाद खान ने केन्द्र सरकार के अधिकारियों को ब्लैक मनी देने का खुले मंच पर ऐलान किया यह बयान सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हुआ। इससे भारत सरकार पर मनगढंत आरोप लगाने के साथ-साथ मारवाड़ मुस्लिम एज्यूकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी की छवि भी घूमिल हुई है।

उन्होंने कहा कि नौशाद खान के इस बयान से सोसायटी की साख खतरे में पड़ गई है। इसलिए ऐसे बयान देने के लिए इस व्यक्ति को फौरन अरेस्ट किया जाए। इसके खिलाफ मुकदमा कायम किया जाये। मारवाड़ मुस्लिम एज्यूकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी में रिसीवर लगाया जाये और सोसायटी के नये चुनाव कराये जाये। ज्ञापन देने के प्रतिनिधिमंडल में मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक, मारवाड़ मुस्लिम एज्यूकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी सदस्य अफजल कुरैशी, सईद खिलजी, हारून खान, मोहम्मद आरिफ चुंदड़ीगर, मोहम्मद साबिर, अब्दुल रहीम मोदी, इशाक गौरी, शकील खिलजी, इकरामुद्दीन अब्बासी, असलम चुंदड़ीगर, समाजसेवी अब्दुल रहीम सांखला, सनवर खान अब्बासी, डॉ. सैयद मुईनउल हक, साजिद खान जौधाणा, आसिफ खान सिंधी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ब्रीफ खबरें

पाली में "विकसित भारत संकल्प सम्मेलन" का आयोजन

-12 साल की मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं

पाली (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी पाली केन्द्र द्वारा रविवार को रुप रजत विहार में मोदी सरकार के 12 साल "विश्वास, विकास व जन कल्याण" पर प्रभुतनागरिकगण सम्मेलन आयोजित किया गया। जिला प्रवक्ता तिलोक चौधरी ने बताया कि मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने केन्द्र सरकार के 12 साल के विकास व जन कल्याण कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए, 4 करोड़ गरीबों को पक्के मकान मिले, 60 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ मिला और 3 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को "लखपति दीदी" बनाकर नारी सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया। केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत व केबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि राज्य व केन्द्र सरकार मिलकर आमजन के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। सांसद पी.पी. चौधरी ने कहा कि "विकास हमारे लिए चौबीस घंटे सातों दिन चलने वाला मिशन है"। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष नाहरसिंह जोधा, जिला प्रभारी श्याम शर्मा, जिला अध्यक्ष सुनिल भंडारी, विधायक केसाराम चौधरी, लक्ष्मीनारायण दवे, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख, समाजसेवी नंदकिशोर बंसल, राजेश दवेरा, जिला महामंत्री दिग्विजयसिंह राठौड़, भरत त्रिवेदी, नारायण कुमावत, जहीर मकरानी, वसीम रमजान खोखर सहित सभी जनप्रतिनिधिगण व पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

नवाब कायम खां शहादत दिवस पर खिराज-ए-अकीदत पेश की

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर अपने निजी निवास पर नवाब कायम खां शहादत दिवस पर आयोजित खिराज-ए-अकीदत पर तनवीर खान ने कहा प्रतिवर्ष 14 जून को पूरे भारत में कायमखानी समाज द्वारा 'कायम खां डे' (कायमखानी दिवस) अत्यंत गौरव के साथ मनाया जाता है। यह विशेष दिन समाज के प्रथम पुरुष और महान योद्धा नवाब दादा कायम खां (मूल नाम राजकुमार करमचंद/कायम सिंह चौहान) के शहादत दिवस की स्मृति में समर्पित है। वे लोकदेवता गोगाजी महाराज के वंशज और चौहान राजपूत थे, जिन्होंने बाद में इस्लाम अपनाया था। इस अवसर पर राजस्थान के ददरेवा (चूरू) सहित देश के विभिन्न हिस्सों में भव्य कार्यक्रम, रक्तदान शिविर और समाज सेवा के कार्य आयोजित किए जाते हैं। कायमखानी कौम अपनी वीरता, वतनपरस्ती (देशप्रेम) और वफादारी के लिए जानी जाती है, जिसका भारतीय सेना में भी गौरवशाली इतिहास रहा है। यह दिन समाज को अपनी ऐतिहासिक जड़ों से जोड़ने और राष्ट्रसेवा का संकल्प लेने का प्रतीक है। इस अवसर पर नदीम चौहान रघु, समीर खान आमु,शाहिद पार्षद, शोएब बहलीम, सुरेश कल्ला एडवोकेट, महेंद्र शर्मा पिल्लू रतननगर, जाबीर खान रतननगर, अमित शर्मा रतननगर, मारूफ खान सरकेल, आसिफ खान, विक्की, कस्वा, साजिद खान, शाहरुख खान, शहजाद खान, सिकंदर खान आदि उपस्थित रहे और दुआएं-ए-मगफीरत की।

कायमखानी डे पर समिति द्वारा विभिन्न सेवा कार्य किए गए

चूरू (रॉयल पत्रिका)। इंसानियत एकता सेवा समिति की तरफ से नवाब कायम खां के 607 वें शहादत दिवस (कायमखानी डे) पर विभिन्न सेवा कार्य किए गए। समिति संस्थापक करामत खान ने बताया कि नवाब कायम खां के 607 वें शहादत दिवस पर मो. रफीक राजगढ़िया व मो. इब्राहीम सोलंकी के सहयोग से राजकीय डीबी अस्पताल में सीमेंटेड बेंच लगाई गई, तथा फल वितरित किए गए। इसके बाद नई सड़क स्थित स्टे रिलेक्सड फिजियोथेरेपी क्लिनिक में दुआ-ए-मगफिरत की मजलिस आयोजित की गई, जिसमें नवाब कायम खां को खिराज-ए-अकीदत पेश की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राजस्थान कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव मुश्ताक खान ने नवाब कायम खां के जीवन के बारे में बताया। व्यवस्थापक इंजीनियर जाफर खान ने आभार जताया। इस दौरान पीडीयू मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. रमाकांत वर्मा, राजकीय डीबी अस्पताल के उप अधीक्षक डॉ. इदरीस खान, डॉ. अमजद खान, डॉ. मुरलीधर चौधरी, डॉ. अखतर खान, एडवोकेट इदरीस खान, अध्यापक वसीम अली, अध्यापक आवेश कुरैशी, मोहम्मद अली पठान, नौशाद खान, हमीद खान, प्राप्त खान, महबूब खान, साजिद तुगलक, अयूब खान चायल, अयूब खान गौड़, सुलेमान मनीहार, विनोद खारड़िया, जाकिर खान, अबरार खान, सोयल खान, रेहान खान, अनस खान, माज़ खान आदि मौजूद रहे।

बादशाह कॉलोनी में गहराया जल संकट

-कॉलोनी वासियों ने दिया अधिशाषी अभियंता को ज्ञापन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर कृषि उपज मंडी के पीछे स्थित बादशाह कॉलोनी में काफी समय से पानी की गंभीर समस्या चल रही है। कॉलोनी वासी पार्षद आदिल बहलीम के नेतृत्व में जलदाय विभाग में अधिशाषी अभियन्ता प्रेम कुमार से मिले और ज्ञापन सौंपा ओर कहा हमारे क्षेत्र में पेयजल की आपूर्ति अत्यंत अनियमित और कम दबाव (लो-प्रेशर) के साथ हो रही है। कई दिनों तक पानी नहीं आता, और जब आता है तो वह गंदा और बदबूदार होता है, जिससे बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। भीषण गर्मी के इस मौसम में स्थानीय निवासियों को दैनिक कार्यों के लिए महंगे दामों पर पानी के टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं। इस संबंध में पहले भी लिखित एवं मौखिक शिकायतें की गई हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि हमारे क्षेत्र की इस विकट समस्या का शीघ्र संज्ञान लें। पानी की पाइपलाइनों की जांच करवाकर नियमित एवं स्वच्छ जलापूर्ति सुनिश्चित करें। बादशाह कॉलोनी निवासी पानी की भारी किल्लत से परेशान हैं पूर्व में भी बार-बार ज्ञापन व मांग करने के बावजूद भी कोई हल नही निकल पा रहा है। काफी संख्या में महिला भी मौजूद रही ज्ञापन देने वालों में आदिल खान भलिम, असलम खोकर, मारूफ खान, रमजान खां आदि उपस्थित रहे।

नवाब कायम खां के 607 वां शहादत दिवस पर सामाजिक संस्थाओं द्वारा खिराज-ए-अकीदत पेश की

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर उस्मानाबाद कॉलोनी स्थित मौलाना अब्दुल कलाम आजाद एजुकेशनल इंस्टीट्यूट परिसर में शहर की सामाजिक संस्थाओं द्वारा दादा नवाब कायम खां शहादत दिवस पर खिराजे-ए-अकीदत पेश की जिसमें इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसायटी, मौलाना अबुल कलाम आजाद वेलफेयर सोसाइटी, युवा कायमखानी वेलफेयर सोसाइटी एवं इंसानियत एकता सेवा समिति के द्वारा संयुक्त रूप से दादा नवाब कायम खां के लिए दुआएं मगफीरत की गई। और फातिहाखानी करवाई गई। मुख्य वक्ताओं में शौकत खान रिटायर्ड एडिशनल कमिश्नर सेल टैक्स, अयूब खान रिटायर्ड एडिशनल एसपी, डॉ. एफ एच गोरी सीनियर फिजिशियन, मुख्य वक्ताओं ने दादा कायम खां की जीवनी पर प्रकाश डाला और कहा कायमखानी समाज के प्रथम पुरुष नवाब दादा कायम खां का शहादत दिवस प्रतिवर्ष 14 जून को मनाया जाता है। चौहान वंश के वंशज नवाब कायम खां एक महान और न्यायप्रिय योद्धा थे। उनकी याद में इस दिन समाज द्वारा रक्तदान शिविर, समाज सेवा और सद्भावना के विभिन्न जनहित कार्य किए जाते हैं। यह दिवस कायमखानी कौम के शौर्य, अटूट देशभक्ति और गंगा-जमुनी तहजीब की गौरवशाली विरासत का प्रतीक है। इस अवसर पर कारी करामत अली उर्दू अदीब ने कुराने पाक की आयतें पढ़कर दुआ-ए-मगफीरत एवं खैराज-ए-अकीदत पेश कि इस अवसर पर संस्थाओं के सदस्य रिजवान खान दिलावरखानी, नूर मोहम्मद खान रिटायर्ड आबकारी अधिकारी, आरिफ खान प्रिंसिपल, मोहम्मद अली पठान पत्रकार, रहमान खान राणासर, मोहम्मद सदीक खान शिक्षाविद, रमजान खान दौलतखानी नवाकुर स्कूल, सलीम खां दिलावरखानी, रशिद खां मोयल शिक्षाविद, आवेश कुरैशी, हनीफ खां, इलियास खां झारिया, युसूफ खां, अनीश खान, अयूब खान, अकबर शेर खां सहजूसर, सुलेमान मनिहार, प्रताप खां, ताहिर हुसैन, युसूफ खां, महबूब खान नशवाण, नौशाद खान, प्राप्त खान आदि उपस्थित रहे। संचालन मैनूदीन खान फ़तेहखानी ने किया।

सांचौर में किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर धरना जारी

-पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई के नेतृत्व में आमरण अनशन शुरू

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। सांचौर विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न लंबित समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर अतिरिक्त जिला कलेक्टर कार्यालय के बाहर पूर्व राज्य मंत्री सुखराम बिश्नोई के नेतृत्व में किसानों और नागरिकों ने आमरण अनशन शुरू किया। आम नागरिकों का कहना था की समस्याओं के समाधान को लेकर पूर्व में एसडीएम सांचौर ज्ञापन सौंपा गया था। लेकिन समाधान नहीं होने पर 13 जून से आमरण अनशन शुरू किया गया। अनशनकारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती है, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। धरने में वर्ष 2022 के किसानों के लंबित आदान अनुदान भुगतान करने, वर्ष 2025 की रबी व खरीफ फसल के आदान-अनुदान सभी पात्र किसानों को देने, फसल बीमा क्लेम सभी बीमित किसानों को उपलब्ध कराने की मांग की गई है। इसी तरह नर्मदा कमांड क्षेत्र में नर्मदा न परियोजना से हुए रिसाव के कारण प्रभावित किसानों को भूमि आवंटन, नहर का पुनर्निर्माण एक सही सर्वे कराने, जल जीवन मिशन योजना में छूटे हुए राजस्व गांव को जोड़ने, पाइपलाइन कार्य की जांच और पूर्ण गुणवत्ता सुधार, डब्लूबीएम सड़कों को पूरा करने, अकोडिया में गैर खातेदारी भूमि को खातेदारी में बदलने, कुकड़िया क्षेत्र में सोलर कंपनी द्वारा रास्ता बंद करने की समस्याओं के समाधान की भी मांग की गई। इसी तरह नगर पालिका क्षेत्र में सफाई व्यवस्था सुधार, नालों की सफाई, दाऊड़ा तालाब की समस्या और कचरा यार्ड की फेंसिंग की मांग भी अनशन में शामिल है।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने किया घर-घर जाकर वरिष्ठ नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिले में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर 2026 के दौरान अनूपगढ़ उपखंड की ग्राम पंचायत 65 जीबी में उपखंड अधिकारी सुरेश राव के निर्देशन में अभिनव पहल करते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के घर-घर जाकर स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस नवाचार का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के बुजुर्गों को उनके घर पर ही स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा गंभीर बीमारियों की समय रहते पहचान सुनिश्चित करना रहा। उपखंड अधिकारी सुरेश राव के निर्देशों की पालना में खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार एवं उनकी टीम ने पंचायत मुख्यालय क्षेत्र में 60 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों के घर-घर जाकर रक्तचाप (बीपी) एवं शुगर की जांच की। जांच के दौरान जिन लोगों को दवा की आवश्यकता पाई गई, उन्हें मौके पर ही निःशुल्क दवाइयां उपलब्ध करवाई गईं। साथ ही टीम द्वारा क्षय रोग (टीबी) की स्क्रीनिंग भी की गई, जिससे संभावित रोगियों की पहचान कर उन्हें समय पर उपचार से जोड़ा जा सके। ग्रामीणों ने इस जनहितकारी पहल का स्वागत करते हुए उपखंड अधिकारी सुरेश राव, खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार तथा स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम का आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों का कहना था कि घर-घर पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने से बुजुर्गों एवं जरूरतमंद लोगों को राहत मिली है।

मनरेगा श्रमिकों की आवाज बना पंचायती राज संगठन, हर हाथ को रोजगार

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सी.बी. यादव के निर्देशानुसार पाली जिले में 10 जून, 2026 से 30 जून, 2026 तक "मनरेगा हर हाथ को रोजगार" अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अन्तर्गत 13 जून को पंचायतीराज प्रदेश महासचिव भगवानसिंह चुंडावत और पाली जिलाध्यक्ष मदनसिंह जागरवाल ने खुटानी मण्डिया मार्ग नाडा एवं लाम्बड़ा तालाब पर मनरेगा श्रमिकों से संवाद स्थापित किया गया तथा उन्हें केन्द्र भारत सरकार द्वारा मनरेगा रोजगार गारंटी योजना का नाम परिवर्तन कर वी बी जी रामजी; विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशनद्ध के बिना गारंटी की योजना 1 जुलाई से लागू की जा रही है, उसकी जानकारी दी गई। साथ ही श्रमिकों को उनके अधिकारों एवं योजनाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा की। पाली जिलाध्यक्ष मदनसिंह जागरवाल ने कहा कि एक तरफ महामारी कोरोना वायरस के संकट के समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वादा किया था अपने क्षेत्र में ही युवाओं और महिलाओं को अधिकार दिये जायेंगे पर आज भी नरेगा में सिर्फ 100 दिन की खानापूर्ति रोजगार मिल रहा है उन्होंने कहा इसके लिए राजस्थान सरकार को भी 200 दिन का रोजगार उपलब्ध कराने के लिए बड़ी पहल करने की जरूरत है। उन्होंने कांग्रेस के कार्यकाल में आम गरीब को आर्थिक रूप से मजबूत बनने का बेहतरीन मौका दिया है जो आज भी ग्रामीणों की जूबानी पर चर्चा हो रही है। इसके साथ ही श्रमिकों से निम्न बिन्दुओं पर जानकारी से अवगत करवाया। पीने के पानी की व्यवस्था, छाया एवं विश्राम की सुविधा, प्राथमिक उपचार एवं दवाईयों की उपलब्धता के साथ श्रमिकों के आंखों के फोटू खिंचवाने में सलेक्ट नहीं होने पर अनुपस्थिति लग जाने की जानकारी दी। अपने हक-अधिकारों के लिए उग्र आंदोलन करने के लिए श्रमिकों को तैयार रहने का आव्हान किया। समय पर मजदूरी भुगतान व अन्य स्थानीय समस्याएं व श्रमिकों को मनरेगा से संबंधित मुद्दों एवं केन्द्र सरकार की नीतियों के प्रभावों की जानकारी भी प्रदान की। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारी ओमप्रकाश खुटानी, रामादास वैष्णव, नारायण मेघवाल आदि अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कायमखानी छात्रावास में पेड़ लगाकर "कायम खां डे" पर खिराजे-ए-अकीदत पेश की

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर दादा नवाब कायम खां की 607 वें शहादत दिवस पर रविवार 14 जून को राजस्थान कायमखानी महासभा जिला इकाई चूरू के सानिध्य में चल रहे कायमखानी छात्रावास, चुरू (राज.) में वृक्षारोपण ओर परिंडे लगाने के कार्यक्रम के साथ-साथ दुवा-ए-मगफिरत की गई। जिसमें चुरू कायमखानी छात्रावास अध्यक्ष जब्बार खान अल्फ़खानी, जिला अध्यक्ष महासभा मुंशी खान, अख्तर रुकनखानी प्रदेश अध्यक्ष रॉयल विकलांग विकाश संस्थान, अज़ीज़ खान दिलावरखानी पार्षद, ज़ाकिर खान के के, शाहरुख दौलतखानी, आरिफ भाई, कालू मोहम्मद, पप्पू भाई, आर. के. कुरैश, अनश सोलंकी आदि उपस्थित रहे। और पेड़ लगाकर खिराजे-ए-अकीदत पेश की और दिया पर्यावरण का संदेश।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार।
संपर्क करें - 8058969180/9799559096

कोई भी असली वोटर लोकतांत्रिक प्रकिया में भाग लेने का मौका न खोए - ओवैसी

हैदराबाद। एआईएमआईएम चीफ और लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी की ओर से उठाए गए मुख्य मुद्दों में से एक मुद्दा पहले की मैपिंग प्रक्रिया के दौरान इकट्ठा किए गए चुनावी डेटा के इस्तेमाल से जुड़ा है। ओवैसी ने तर्क दिया कि जिन वोटरों की जानकारी पहले ही सफलतापूर्वक मैच हो चुकी है, उनसे घर-घर जाकर जानकारी जुटाने की प्रक्रिया के दौरान वही जानकारी दोबारा नहीं मांगी जानी चाहिए। उनके सुझाव के अनुसार, चुनाव अधिकारियों के पास मौजूद पहले से मैप किए गए डेटा को गिनती वाले फॉर्म में शामिल किया जा सकता है, जिससे वोटरों का कन्फ्यूजन कम होगा और बूथ लेवल अधिकारियों पर प्रशासनिक बोझ भी घटेगा।

फॉर्म में भाषा की सुलभता पर जताई चिंता

एआईएमआईएम प्रमुख ने गिनती वाले फॉर्म के सिर्फ तेलुगु में उपलब्ध होने पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने मांग की कि फॉर्म अंग्रेजी और उर्दू में भी उपलब्ध कराए जाएं, क्योंकि उर्दू तेलंगाना की दूसरी आधिकारिक भाषा है और आबादी का एक बड़ा हिस्सा अंग्रेजी या उर्दू में पढ़ने और लिखने में ज़्यादा सहज महसूस करता है। उन्होंने तर्क दिया कि ज़्यादा लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने और वेरिफिकेशन प्रक्रिया के दौरान होने वाली अनावश्यक गलतियों को रोकने के लिए भाषा की सुलभता जरूरी है।

पुराने डेटा-एंट्री की गलतियों से हो सकती है विसंगतियां

एक और बड़ी चिंता चुनावी रिकॉर्ड में तथाकथित विसंगतियों की पहचान से जुड़ी है। ओवैसी ने उन मानदंडों पर सवाल उठाए जिनके तहत स्पेलिंग में अंतर, परिवारों के भीतर उम्र में अंतर, परिवार का बड़ा आकार या भाई-बहनों के जन्म के रिकॉर्ड में कम अंतर होने के कारण वोटरों को चिह्नित (flag) किया जा सकता है। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसी कई विसंगतियां पुराने डेटा-एंट्री की गलतियों के कारण हो सकती हैं और इनके आधार पर किसी वोटर की पात्रता पर अपने आप शक नहीं किया जाना चाहिए। उनके अनुसार, पहले की चुनावी प्रक्रियाओं के दौरान हुई गलतियों के कारण नागरिकों को लिस्ट से बाहर किए जाने का जोखिम नहीं उठाना चाहिए।

सत्यापन के लिए दस्तावेजों को लेकर क्या है परेशानी?

ओवैसी ने आगे मांग की कि वेरिफिकेशन के मकसद से पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और खाद्य सुरक्षा कार्ड जैसे अतिरिक्त दस्तावेज़ों को भी मान्य माना जाए। उन्होंने बताया कि चुनाव अधिकारियों द्वारा बताए गए कुछ दस्तावेज़ या तो तेलंगाना में जारी नहीं किए जाते हैं या राज्य में लागू नहीं होते हैं, जिससे वोटरों के पास अपनी पहचान साबित करने के लिए व्यावहारिक विकल्प कम रह जाते हैं।

सभी राजनीतिक दलों के एकजुट होने का किया आह्वान

इस बात पर जोर देते हुए कि वोटिंग आम नागरिकों के लिए सबसे महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक अधिकार है, ओवैसी ने सभी राजनीतिक दलों से इस मुद्दे पर सक्रिय रूप से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने तर्क दिया कि इस प्रक्रिया का मकसद चुनावी ईमानदारी को मजबूत करना होना चाहिए। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी असली वोटर तकनीकी, प्रक्रियात्मक या प्रशासनिक कमियों के कारण लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने का मौका न खोएं।

ईरान के पूर्व सुप्रीम अयातुल्लाह अली खामेनेई को मौत के चार महीने बाद किया जाएगा सुपुर्द-ए-खाक

-4 जुलाई से शुरू होगा समारोह

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के पूर्व सुप्रीम नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई को मौत के लगभग 130 दिनों के बाद सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। ईरानी मीडिया की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, अयातुल्लाह अली खामेनेई को 4 जुलाई को दफनाया जाएगा। ईरान की सरकारी मीडिया के अनुसार, ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई को दफनाने का कार्यक्रम 4 से लेकर 9 जुलाई तक होगा। आधिकारिक बयान के मुताबिक, खामेनेई और उनके परिवार के सदस्यों के लिए समारोह तेहरान, कोम और मशहद में होंगे।

28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल की ओर से किए गए हमले में अयातुल्लाह अली खामेनेई और उनके परिवार के कुछ लोगों की मौत हो गई। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर की याद में बनी समिति के एक बयान के अनुसार, उनका पार्थिव शरीर 4 और 5 जुलाई, 2026 को तेहरान मोसल्ला में रखा जाएगा। अली खामेनेई का अंतिम संस्कार 6 जुलाई को तेहरान में होगा। एक समारोह 7 जुलाई, 2026 को कोम में होगा।

आखिरकार, अयातुल्लाह अली को 9 जुलाई, 2026 को मशहद में आठवें शिया इमाम की दरगाह में दफनाया जाएगा। इसके बाद ईरान के दूसरे सबसे बड़े शहर में समारोह आयोजित किए जाएंगे। अयातुल्लाह अली खामेनेई ईरान के दूसरे सुप्रीम लीडर थे। अयातुल्लाह रूहोल्लाह खोमैनी की मौत के बाद, 1989 से खामेनेई ने ईरान का नेतृत्व किया। अयातुल्लाह रूहोल्लाह खामेनेई ने एक दशक पहले इस्लामिक क्रांति का नेतृत्व किया था।

रूहोल्लाह खोमैनी उस क्रांति के पीछे की विचारधारा की ताकत थे। इस क्रांति के तहत उन्होंने ईरान से पहलवी राजशाही का शासन खत्म किया, वहीं खामेनेई ने मिलिट्री और पैरामिलिट्री सिस्टम को बनाया। दूसरी तरफ मौजूदा सप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई अमेरिका और इजरायल की ओर से शुरू किए गए हमले के बाद से अब तक सार्वजनिक तौर पर किसी भी कार्यक्रम या जगहों पर नजर नहीं आए हैं।

'मदरसों का सर्वे कर सकते हैं, तो मंदिरों का क्यों नहीं?' - वारिस पठान

मुंबई। पश्चिम बंगाल सरकार के मदरसों का सर्वे कराने के आदेश पर सियासत गरमा गई है। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी AIM-IM के वरिष्ठ नेता वारिस पठान ने इस फैसले को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला है। उनका आरोप है कि बीजेपी बंगाल के मदरसों के पीछे पड़ गई है। वारिस पठान ने बीजेपी पर देश में एक खास एजेंडे के तहत काम करने का आरोप लगाया। मदरसा सर्वे के फैसले का कड़ा विरोध करते हुए वारिस पठान ने कहा, 'जब से बीजेपी सरकार सत्ता में आई है, उनका एकमात्र एजेंडा सिर्फ और सिर्फ नफरत फैलाना रहा है।' उन्होंने आगे कहा कि मुसलमानों के खान-पान की आदतों, बुर्के, मस्जिदों और मदरसों को लेकर जानबूझकर नफरत पैदा की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी हर उस चीज से नफरत करती है जो अल्पसंख्यकों से जुड़ी हुई है। अब इसी कड़ी में वो बंगाल के मदरसों के पीछे पड़ गई है।

'मंदिरों का सर्वे क्यों नहीं करते'

वारिस पठान ने कानून की समानता पर जोर देते हुए कहा कि हमारा संविधान देश के सभी नागरिकों और संस्थानों को बराबर का अधिकार देता है। उन्होंने मांग उठाई, 'आप मदरसों का सर्वे कर सकते हैं, लेकिन मंदिरों का सर्वे क्यों नहीं करते? हमारा संविधान पूरी तरह समानता की बात करता है, इसलिए देश के कानून और नियम सभी पर समान रूप से लागू होने चाहिए।' AIMIM नेता ने कहा कि अगर सरकार को वाकई में धार्मिक और शैक्षणिक संस्थानों की स्थिति जाननी है, तो भेदभाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर आप सर्वे का काम कर ही रहे हैं, तो बिना किसी पक्षपात के सभी का सर्वे करें, तभी न्याय होगा।

मदरसे के सफल छात्रों का दिया हवाला

मदरसों की शिक्षा व्यवस्था का बचाव करते हुए वारिस पठान ने कहा कि मदरसों को लेकर गलत धारणाएं फैलाई जा रही हैं। उन्होंने सवाल उठाया, 'आप उन अनेक सफल लोगों को क्यों नहीं मानते जिन्होंने मदरसों से अपनी पढ़ाई और ग्रेजुएशन पूरा किया है?' उन्होंने कहा कि मदरसों से पढ़कर निकले कई लोग आज समाज में ऊंचे मुकाम पर हैं और देश की तरक्की में अपना योगदान दे रहे हैं, लेकिन सरकार उनके योगदान को पूरी तरह नजरअंदाज कर रही है।

भारत में मुसलमानों के प्रति फैली नफरत मिटाने का अवसर

-अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा पर बोली महबूबा मुफ्ती

जम्मू-कश्मीर। पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (PDP) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि सालाना अमरनाथ यात्रा और लाखों हिंदू तीर्थयात्रियों की सुरक्षा तय कर भारत में मुसलमानों के प्रति फैली नफरत और गलत जानकारी को मिटाने का अवसर है। उन्होंने कश्मीर के लोगों से अपील की कि वो यह सुनिश्चित करें कि तीर्थयात्री घाटी और यहां के लोगों की अच्छी यादों के साथ घर लौटें। पहलगाम में होटल मालिकों, टट्टू और टैक्सी मालिकों, स्थानीय लोगों और अन्य संबंधित लोगों से बात करते हुए मुफ्ती ने कहा कि जम्मू-कश्मीर आने वाले हर तीर्थयात्री को एक मेहमान और एक ऐसे राजदूत के तौर पर देखा जाना चाहिए जो देश के अलग-अलग हिस्सों में कश्मीर की कहानी ले जाएं।

मुफ्ती ने कहा- नफरत मिटाने का मौका है यात्रा

लोगों को संबोधित करते हुए महबूबा मुफ्ती ने कहा कि तीर्थयात्रियों का स्वागत और उनके साथ व्यवहार करने का तरीका, नकारात्मक सोच को बदलने का समय है। यह अलग-अलग इलाकों और समुदायों के लोगों के बीच रिश्ते मजबूत करने में अहम भूमिका निभा सकता है। महबूबा ने जोर देकर कहा, "हमारे यहां आने वाला हर अमरनाथ यात्री कश्मीर का मेहमान होता है। वे हमारी जमीन, हमारे लोगों और हमारी मान्यताओं की कहानी भारत के हर कोने तक पहुंचाते हैं। यह हमारी जिम्मेदारी है कि वो हमारे प्यार, अपनापन और मेहमाननवाजी की यादों के साथ लौटें। इसी तरह हम कश्मीर की आत्मा की रक्षा करते हैं और मुसलमानों के खिलाफ बनाई गई झूठी बातों का मुकाबला करते हैं।"

लब्बैक की सदाओं के बीच मुकम्मल हुआ हज सफर, 3519 हाजी लौटे अपने वतन

-एक हाजी का हज के दौरान इंतकाल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मक्का-मदीना की पाक सरजमीं से इबादत का सफर पूरा कर राजस्थान के हाजी अपने वतन लौट आए। हज सफर-2026 में प्रदेशभर से कुल 3520 हाजियों ने मुकद्दस यात्रा की और अपना हज मुकम्मल किया। राज स्टेट हज कमेटी के अधिशाषी अधिकारी अबू सूफियान ने बताया कि हज यात्रा के दौरान राजसमंद निवासी 76 वर्षीय मोहम्मद हुसैन का हज पूरा होने के बाद निधन हो गया। परिजनों की सहमति से उन्हें वहीं सुपुर्द-ए-खाक किया गया। जयपुर के सांगानेर एयरपोर्ट पर हाजियों की वतन वापसी का सिलसिला 5 जून से शुरू होकर 13 जून तक जारी रहा। आखिरी फ्लाइट से 106 हाजी जयपुर पहुंचे। एयरपोर्ट पर परिजनों ने फूल-मालाओं और गुलाब के फूलों से हाजियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान एयरपोर्ट परिसर के बाहर "लब्बैक अल्लाहुमा लब्बैक" की सदाएं गूंजती रहीं और अपनों के आने का इंतजार करते परिवार भावुक नजर आए। मौसम की वजह से कुछ फ्लाइट में देरी भी हुई, लेकिन हाजियों के स्वागत का उत्साह कम नहीं हुआ। इस पूरे सफर में हज वॉलेंटियर्स ने भी अहम भूमिका निभाई। उन्होंने हाजियों की मदद, लगेज उठाने, ट्रॉली उपलब्ध कराने, हज से जुड़ी जानकारी देने और पानी-शरबत की व्यवस्था कर सेवा की मिसाल पेश की। वतन लौटे हाजियों ने भारत सरकार और हज कमेटी का आभार जताया। हज का यह सफर जहां इबादत और आस्था का अनुभव रहा, वहीं वापसी के पलों में परिवारों के मिलन की खुशियां भी देखने को मिली।

आईडी खान राष्ट्रीय सरपरस्त और इकरामुद्दीन राष्ट्रीय संयुक्त सचिव बनाए गए

-अखिल भारतीय मनिहार संगठन परिसंघ को मजबूत बनाने की मुहिम जारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय मनिहार संगठन परिसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सईद सिद्दकी एवं राष्ट्रीय महासचिव ने अमर सरिया मनिहार बिरादरी के सदर और राजस्थान सरकार (PHED) के पूर्व चीफ इंजीनियर आई. डी. खान को राष्ट्रीय सरपरस्त एवं अमर सरिया मनिहार बिरादरी के मुख्य सेक्रेटरी इकरामुद्दीन को राष्ट्रीय सयुक्त सचिव एवं राजस्थान प्रदेश प्रभारी बनाया गया है। दोनों पदाधिकारियों की नियुक्ति समाज के विकास, शिक्षा एवं समाज सुधार में दिए गए योगदान को देखते हुए की गई है। मनिहार समाज राजस्थान ने दोनों की नियुक्ति पर राष्ट्रीय अध्यक्ष और महासचिव का आभार जताया है।

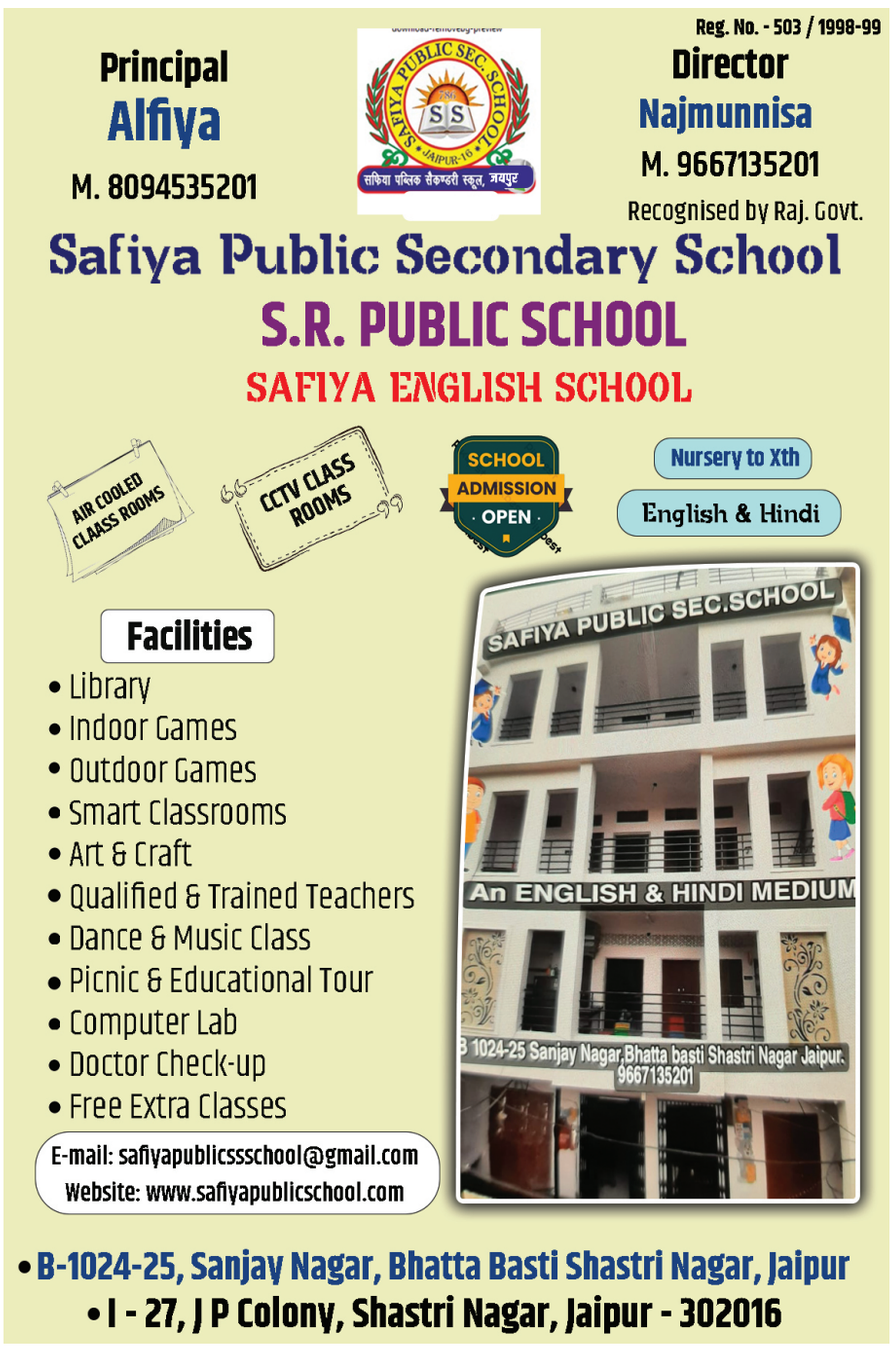

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये अम्बर ऑफसेट प्राईवेट लिमिटेड, 3 A, डी.एल. टॉवर, विध्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल:rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com